INFUSION NOTES
WHEN ONLY THE BEST WILL DO

# RAS

## RAJASTHAN PUBLIC SERVICE COMMISSION

## प्रारंभिक + मुख्य परीक्षा हेतु

### भाग – 3

## भारत + विश्व + राजस्थान की अर्थव्यवस्था

# प्रस्तावना

*प्रिय पाठकों, प्रस्तुत नोट्स "**RAS (Rajasthan Administrative Service) (प्रारंभिक एवं मुख्य परीक्षा हेतु)"** को एक विभिन्न अपने अपने विषयों में निपुण अध्यापकों एवं सहकर्मियों की टीम के द्वारा तैयार किया गया है / ये नोट्स पाठकों को **राजस्थान लोक सेवा आयोग (RPSC)** द्वारा आयोजित करायी जाने वाली परीक्षा "**Rajasthan State and Subordinate Services Combined Competitive Exams"** भर्ती परीक्षा में पूर्ण संभव मदद करेंगें /*

***अंततः सतर्क प्रयासों के बावजूद नोट्स में कुछ कमियों तथा त्रुटियों के रहने की संभावना हो सकती है / अतः आप सूचि पाठकों का सुझाव सादर आमंत्रित हैं/***

**प्रकाशकः**

**INFUSION NOTES**

जयपुर, 302029 (RAJASTHAN)

मो : 9887809083

ईमेल : contact@infusionnotes.com

वेबसाइट : http://www.infusionnotes.com

**Whatsapp Link-** https://wa.link/uwc5lp

**Online Order Link-** https://bit.ly/3X6MGue

| | |
|---|---|
| **मूल्य : ₹** | **संस्करण : नवीनतम** |

| क्र.सं. | अध्याय | पेज नं. |
|---|---|---|
| 1. | अर्थशास्त्र की मूलभूत अवधारणायें<br>• सामान्य परिचय<br>• प्रकार<br>• शाखाएं<br>• महत्वपूर्ण प्रश्न | 1-4 |
| 2. | बजट एवं बजट निर्माण<br>• बजट निर्माण<br>• बजटीय प्रवृत्तियां<br>• जीरो बेस बजट<br>• जेंडर बजटिंग<br>• बजट 2022-23<br>• बजट 2023-24<br>• महत्वपूर्ण प्रश्न | 5-18 |
| 3. | बैंकिंग<br>• मौद्रिक प्रणाली (साख नियंत्रण)<br>• विभिन्न दरें<br>• बैंकों का वर्गीकरण एवं उनके कार्य<br>• Non Performing Assets (NPA)<br>• वित्तीय समावेशन<br>• महत्वपूर्ण प्रश्न | 18-38 |
| 4. | लोक वित्त<br>• भारत में राजकोषीय उत्तरदायित्व | 38-42 |

| | | |
|---|---|---|
| | • महत्वपूर्ण प्रश्न | |
| 5. | भारत में कर सुधार<br><br>○ वस्तु एवं सेवा कर<br>○ महत्वपूर्ण प्रश्न | 43-46 |
| 6. | राष्ट्रीय आय<br><br>• GDP, NDP, GNP, NNP<br>• राष्ट्रीय आय की माप<br>• केन्द्रीय सांख्यिकी संगठन (CSO)<br>• महत्वपूर्ण प्रश्न | 47-53 |
| 7. | संवृद्धि एवं विकास का आधारभूत ज्ञान<br><br>• आर्थिक संवृद्धि | 54-55 |
| 8. | लेखांकन – अवधारणा, उपकरण एवं प्रशासन में उपयोग | 56-64 |
| 9. | स्टॉक एक्सचेंज एवं शेयर बाजार<br><br>• महत्वपूर्ण प्रश्न | 64-69 |
| 10. | राजकोषीय एवं मौद्रिक नीतियाँ | 69-72 |
| 11. | सब्सिडी एवं लोक वितरण प्रणाली<br><br>• सब्सिडी के प्रकार, फायदे, नुकशान<br>• PDS , राष्ट्रीय खाध्य सुरक्षा अधिनियम<br>• ऑपरेशन ब्लैक | 72-80 |
| 12. | ई-कॉमर्स<br><br>• प्रकार ,फायदे, नुकशान<br>• महत्वपूर्ण प्रश्न | 80-85 |

| | | |
|---|---|---|
| 13. | मुद्रास्फीति<br>• अवधारणा, प्रभाव एवं नियंत्रण तंत्र<br>• WPI, CPI<br>• मुद्रास्फीति पर 7 वें वेतन आयोग की सिफारिशों का प्रभाव<br>• मुद्रास्फीति के प्रभाव<br>• मुद्रास्फीति को नियंत्रित करने के उपाय<br>• कीमतें, मांग और पूर्ति प्रबंधन<br>• प्रारंभिक एवं मुख्य परीक्षा हेतु महत्वपूर्ण प्रश्न | 85-95 |
| 14. | केंद्र – राज्य वित्तीय संबंध<br>• नवीनतम वित्त आयोग<br>• राजकोषीय उत्तरदायित्व एवं बजट प्रबंधन अधिनियम<br>• मुख्य परीक्षा हेतु महत्वपूर्ण प्रश्न | 96-100 |
| 15. | कृषि<br>• कृषि के प्रकार<br>• प्रमुख फसलें, हरित क्रांति, सिंचाई<br>• भारतीय कृषि में वृद्धि एवं उत्पादकता<br>• खाद्य प्रसंस्करण क्षेत्र और खाद्य प्रबंधन<br>• कृषिगत सुधार और चुनौतियाँ<br>• प्रारंभिक एवं मुख्य परीक्षा हेतु महत्वपूर्ण प्रश्न | 100-120 |
| 16. | औद्योगिक क्षेत्र की प्रवृत्तियां<br>• औद्योगिक नीति एवं औद्योगिक वित्त<br>• प्रमुख उद्योग<br>• उदारीकरण, वैश्वीकरण, निजीकरण<br>• आर्थिक सुधार एवं आर्थिक वृद्धि | 121-138 |

| | | |
|---|---|---|
| | • प्रारंभिक एवं मुख्य परीक्षा हेतु महत्वपूर्ण प्रश्न | |
| 17. | भारतीय अर्थव्यवस्था के प्रमुख क्षेत्र<br>• प्राथमिक क्षेत्र, द्वितीयक क्षेत्र, तृतीय क्षेत्र | 139-140 |
| 18. | आर्थिक विकास में सरकार की भूमिका<br>• विभिन्न कार्यक्रम<br>• परीक्षा हेतु महत्वपूर्ण प्रश्न | 140-143 |
| 19. | आर्थिक समस्याएं एवं सरकार की पहलें<br>• पंचवर्षीय योजनायें | 144-150 |
| 20. | मानव संसाधन एवं आर्थिक विकास<br>• मानव विकास सूचकांक<br>• वैश्विक खुशहाली सूचकांक<br>• परीक्षा हेतु महत्वपूर्ण प्रश्न | 150-154 |
| 21. | गरीबी एवं बेरोजगारी एवं असमानता<br>• बेरोजगारी के कारण, प्रभाव, सरकार की पहलें<br>• गरीबी का मापन<br>• गरीबी से सम्बंधित विभिन्न समितियां<br>• स्वास्थ्य सेवा और नयी शिक्षा नीति<br>• आर्थिक विकास में राज्य की भूमिका<br>• प्रारंभिक एवं मुख्य परीक्षा हेतु महत्वपूर्ण प्रश्न | 154-170 |
| 22. | केंद्र सरकार की योजनाएँ<br>• आर्थिक रूप से कमजोर वर्गों के लिए प्रावधान | 170-174 |
| | वैश्विक अर्थव्यवस्था | |
| 1. | वैश्विक आर्थिक मुद्दे और प्रवृत्तियां | 174-182 |

| | | |
|---|---|---|
| | • विश्व बैंक<br>• अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष (IMF)<br>• विश्व व्यापार संगठन<br>• मुख्य परीक्षा हेतु महत्वपूर्ण प्रश्न | |
| 2. | सतत विकास एवं जलवायु परिवर्तन<br>• मुख्य परीक्षा हेतु महत्वपूर्ण प्रश्न | 182-185 |
| | राजस्थान की अर्थव्यवस्था | |
| 1. | अर्थव्यवस्था का वृहद् परिदृश्य<br>• बजट 2023 – 24 के अनुसार | 186-195 |
| 2. | कृषि, उद्योग एवं सेवा क्षेत्र के प्रमुख मुद्दे<br>• डेयरी और पशुपालन<br>• परीक्षा हेतु महत्वपूर्ण प्रश्न | 195-201 |
| 3. | ग्रामीण विकास और ग्रामीण अवसंरचना<br>• पंचायती राज<br>• वित्त आयोग<br>• परीक्षा हेतु महत्वपूर्ण प्रश्न | 202-209 |
| 4. | औद्योगिक विकास, औद्योगिक वृद्धि<br>• पंचवर्षीय योजनायें<br>• खादी और ग्रामोद्योग<br>• परीक्षा हेतु महत्वपूर्ण प्रश्न | 210-221 |
| 5. | संवृद्धि, विकास एवं आयोजना<br>• परीक्षा हेतु महत्वपूर्ण प्रश्न | 222-223 |

| | | |
|---|---|---|
| 6. | आधारभूत अवसंरचना एवं संसाधन<br>• प्रारंभिक एवं मुख्य परीक्षा हेतु महत्वपूर्ण प्रश्न | 223-228 |
| 7. | प्रमुख विकास एवं कल्याणकारी योजनाएं<br>• राजस्थान का बजट 2023-24<br>• राज्य आर्थिक समीक्षा 2023-24<br>• प्रारंभिक एवं मुख्य परीक्षा हेतु महत्वपूर्ण प्रश्न | 228-261 |
| 8. | बुनियादी सामाजिक सेवाएं<br>• शिक्षा व स्वास्थ्य<br>• गरीबी एवं बेरोजगारी<br>• सतत विकास लक्ष्य<br>• मुख्य परीक्षा हेतु महत्वपूर्ण प्रश्न | 261-278 |

# अर्थशास्त्र

## अध्याय – I

## अर्थशास्त्र की मूलभूत अवधारणायें

**परिचयः-**

- Economics ( अर्थशास्त्र ) शब्द एक Greek word ' Oikonomia ' से उत्पन्न हुआ है ।
- Oikonomia शब्द Oikos and Nomos दो शब्दों से मिलकर बना है ।
- Oikos का अर्थ गृह अथवा परिवार जबकि Nomos का का अर्थ है प्रबंधन । अर्थात् Oikonomia गृह प्रबंधन की प्रक्रिया के अध्ययन से संबंधित है ।

**अर्थशास्त्र और अर्थव्यवस्था में अंतर?:-**

| अर्थशास्त्र | अर्थव्यवस्था |
|---|---|
| अर्थशास्त्र के अंतर्गत विषय और सिद्धांतों का अध्ययन किया जाता है | अर्थव्यवस्था के अंतर्गत व्यवहार का अध्ययन किया जाता है। |
| अर्थशास्त्र केवल अध्ययन का क्षेत्र है | अर्थव्यवस्था निष्पादन (Execution) की भूमिका निभाती है। |
| अर्थशास्त्र के पिता एडम स्मिथ को माना जाता है इनकी किताब (The Wealth of nations) मे अर्थव्यवस्था का विस्तार किया है। | जब हम किसी देश को उसकी समस्त आर्थिक क्रियाओं के संदर्भ में परिभाषित करते हैं तो उसे अर्थव्यवस्था कहते हैं। |
| अर्थशास्त्र की दो शाखाएँ हैं- (i) व्यष्टि अर्थशास्त्र (Micro economics) (ii) समष्टि अर्थशास्त्र (Macro economics) | अर्थव्यवस्था को तीन भागों में बांटा गया है पूँजीवादी अर्थव्यवस्था, समाजवादी अर्थव्यवस्था और मिश्रित अर्थव्यवस्था। |
| | अर्थव्यवस्था किसी देश या क्षेत्र विशेष में अर्थशास्त्र के व्यावहारिक स्वरूप को प्रदर्शित करती है जैसे भारतीय अर्थव्यवस्था चीनी अर्थव्यवस्था एवं अमेरिकी अर्थव्यवस्था इत्यादि । |

**अर्थशास्त्र की शाखाएँ (Branches of economic)**

- अर्थशास्त्र की दो शाखाएँ हैं, जो निम्नलिखित हैं-

(i) व्यष्टि अर्थशास्त्र (Micro economics)
(ii) समष्टि अर्थशास्त्र (Macro economics)

**अर्थव्यवस्था के प्रकार :-**

**A. पूँजीवादी अर्थव्यवस्था (Capitalist Economy):-**

- जिस अर्थव्यवस्था में उत्पादन के साधनों पर निजी स्वामित्व पाया जाता है तथा वस्तुओं एवं सेवाओं का उत्पादन निजी लाभ के लिए किया जाता है उसे पूँजीवादी अर्थव्यवस्था कहते हैं।
- अर्थात् यहाँ आर्थिक गतिविधियों पर सरकार का न्यूनतम नियंत्रण होता है तथा निजी क्षेत्र अधिक प्रभावकारी एवं स्वतंत्र होता है।
- एडम स्मिथ की 'दा वेल्थ ऑफ़ नेशन' पूँजीवाद को दार्शनिक आधार प्रदान करता है।
- अमेरिका समेत पश्चिमी यूरोपीय देश पूँजीवाद के समर्थक हैं।

**पूँजीवाद के फायदे या गुण :-**

- पूँजीवाद नवाचार को बढ़ावा देता है।
- पूँजीवाद और समाज दोनों स्वतंत्रता और अवसर पर केंद्रित हैं।
- पूँजीवाद आबादी की जरूरतों को पूरा करता है।
- पूँजीवाद स्व-नियामक है।
- पूँजीवाद समग्र रूप से समाजों की मदद करता है।

**पूँजीवाद के नुकसान या दोष :-**

- धन और आय के वितरण की असमानता
- पूँजीवादी अर्थव्यवस्था में अपरिहार्य के रूप में कक्षा संघर्ष
- सामाजिक लागत बहुत अधिक है
- पूँजी अर्थव्यवस्था की अस्थिरता
- बेरोजगारी और रोजगार के तहत
- वर्किंग क्लास में पर्याप्त सामाजिक सुरक्षा नहीं है ।

**B. समाजवाद अर्थव्यवस्था**

- उत्पादन एवं वितरण के सामूहिक नियंत्रण पर बल देता है।
- राज्य द्वारा विनियमित निजी क्षेत्र की भूमिका से लोक कल्याण के उद्देश्य की प्राप्ति।
- भारत,बांग्लादेश,ब्राजील,समेत विकासशील अधिकांश देश समाजवाद के समर्थक हैं।
- बौद्ध और जैन धर्म का अस्तेय आवश्यकता से अधिक संसाधनों के एकत्रीकरण का विरोध करता है, जो समाजवाद की अवधारणा के अनुकूल है।
- अशोक के शिलालेखो से लोक कल्याणकारी राज्य के संदर्भ में जानकारी प्राप्त होती हैं, वहीं रुद्रदामन का जूनागढ़ अभिलेख सुदर्शन झील के निर्माण के संदर्भ में प्रमाण देता है।
- इसी प्रकार मध्यकाल में फिरोजशाह तुगलक द्वारा नहरों का निर्माण, बेरोजगारों के लिए पेंशन जैसी समाजवादी योजनाओं की जानकारी प्राप्त होती है।

**समाजवाद के पक्ष में तर्क या गुण:-**

**शोषण का अन्तः-**

- समाजवाद श्रमिको एवं निर्धनो के शोषण का विरोध करता है। इसलिये विश्व के श्रमिक किसान निर्धन इसका समर्थन करते हैं।

**सामाजिक न्याय पर आधारित:-**

- समाजवादी व्यवस्था में किसी वर्ग विशेष के हितो को महत्व न देकर समाज के सभी व्यक्तियों के हितो को महत्व दिया जाता है यह व्यवस्था पूँजीपतियों के अन्याय को समाप्त करके एक ऐसे वर्गविहीन समाज की स्थापना करने का समर्थन करती है जिसमें विषमता न्यूनतम हो।

**उत्पादन का लक्ष्य सामाजिक आवश्यक्ता:-**

- व्यक्तिवादी व्यवस्था में व्यक्तिगत लाभ को ध्यान में रखकर किये जाने वाले उत्पादन के स्थान पर समाजवादी व्यवस्था में समाजिक आवश्यक्ता और हित को ध्यान में रखकर उत्पादन होगा क्योंकिसमाजवाद इस बात पर बल देता है कि जो उत्पादन हो वह समाज के बहुसख्यक लोगो के लाभ के लिए हो।

**उत्पादन पर समाज का नियंत्रण :-**

- समाजवादियो का मत है कि उत्पादन और वितरण के साधनो पर राज्य का स्वामित्व स्थापित करके विषमता को समाप्त किया जा सकता है।
- सभी को उन्नति के समान अवसर
- साम्राज्यवाद का विरोधी

**समाजवाद के विपक्ष में तर्क अथवा आलोचना :-**

**राज्य के कार्य क्षेत्र में वृद्धि :-**

- समाजवाद मे आर्थिक तथा राजनीतिक दोनो क्षेत्रों में राज्य का अधिकार होने से राज्य का कार्य क्षेत्र अत्यधिक विस्तृत हो जायेगा जिसके परिणामस्वरूप राज्य द्वारा किये जाने वाले कार्य समुचित रूप से संचालित और समपादित नहीं होंगे।

**वस्तुओं के उत्पादन में कमी :-**

- समाजवाद के आलोचको की मान्यता है कि यदि उत्पादन के साधनो पर सम्पूर्ण समाज का नियंत्रण हो तो व्यक्ति की कार्य करने की प्रेरणा समाप्त हो जायेगी और कार्यक्षमता भी धीरे धीरे घट जायेगी।
- व्यक्ति को अपनी योग्यता का प्रदर्शन करने का अवसर नहीं मिलेगा तो वस्तुओं के उत्पादन की मात्रा घट जायेगी।

**समाजवाद प्रजातंत्र का विरोधी :-**

- प्रजातंत्र में व्यक्ति के अस्तित्व को अत्यंत श्रेष्ठ स्थान प्राप्त है वही समाजवाद में वह राज्य रूपी विशाल मशीन में एक निर्जीव पूर्जा बन जाता है।

**नौकरशाही का महत्व :-**

- समाजवाद में राज्य के कार्यो में वृध्दि होने के कारण नौकरशाही का महत्व बढ़ता है। और सभी निर्णय सरकारी कर्मचारियो द्वारा लिये जाते है ऐसी स्थिति में भ्रष्टाचार बढ़ता है।

**समाजवाद हिंसा को बढ़ाता है :-**

- समाजवाद अपने लक्ष्य की प्राप्ति के लिए क्रांतिकारी तथा हिंसात्मक मार्ग को अपनाता है। वह शांतिपूर्ण तरीको में विश्वास नहीं करता।
- वह वर्ग संघर्ष पर बल देता है। जिसके परिणामस्वरूप समाज में वैमनस्यता और विभाजन की भावना फैलती है।

- पूर्ण समानता संभव नहीं ।

**C. मिश्रित अर्थव्यवस्था (Mixed Economy) :-**

- यहाँ, उत्पादन की कुछ योजनाएँ राज्य द्वारा सीधे या इसके राष्ट्रीयकृत उद्योगों के माध्यम से शुरू की जाती हैं, और कुछ को निजी उद्यम के लिए छोड़ दिया जाता है।
- इसका अर्थ है कि समाजवादी क्षेत्र (यानी सार्वजनिक क्षेत्र) और पूँजीवादी क्षेत्र (यानी निजी क्षेत्र) दोनों एक-दूसरे के साथ हैऔर एक-दूसरे के पूरक हैं।
- इसे बाजार की अर्थव्यवस्था और समाजवाद के बीच आधे घर के रूप में वर्णित किया जा सकता है।
- मिश्रित अर्थव्यवस्था में, सार्वजनिक और निजी दोनों संस्थान आर्थिक नियंत्रण का प्रयोग करते हैं। इसलिए, इस प्रकार कीअर्थव्यवस्था पूँजीवाद और समाजवाद दोनों के लाभों को सुरक्षित करने का प्रयास करती है।

**मिश्रित अर्थव्यवस्था के फायदे:-**

**निजी क्षेत्र को प्रोत्साहन :-**

- मिश्रित अर्थव्यवस्था का सबसे महत्वपूर्ण लाभ यह है कि यह निजी क्षेत्र को प्रोत्साहन प्रदान करता है और इसे बढ़ने का उचित अवसर मिलता है।
- यह देश के भीतर पूँजी निर्माण में वृद्धि की ओर जाता है।

**स्वतंत्रता:-**

- मिश्रित अर्थव्यवस्था में, पूँजीवादी व्यवस्था में आर्थिक और व्यावसायिक दोनों तरह की स्वतंत्रता है।
- प्रत्येक व्यक्ति को अपनी पसंद का कोई भी व्यवसाय चुनने की स्वतंत्रता है।
- इसी तरह, हर निर्माता उत्पादन और खपत के संबंध में निर्णय ले सकता है।

**संसाधनों का इष्टतम उपयोग:-**

- इस प्रणाली के तहत, निजी और सार्वजनिक दोनों ही क्षेत्र संसाधनों के कुशल उपयोग के लिए काम करते हैं।
- सार्वजनिक क्षेत्र सामाजिक लाभ के लिए काम करता है जबकि निजी क्षेत्र लाभ के अधिकतम करण के लिए इन संसाधनों का इष्टतम उपयोग करता है।

**आर्थिक योजना के लाभ:-**

- मिश्रित अर्थव्यवस्था में, आर्थिक योजना के सभी फायदे हैं।
- सरकार आर्थिक उतार-चढ़ाव को नियंत्रित करने और अन्य आर्थिक बुराइयों को पूरा करने के लिए उपाय करती है।

**कम आर्थिक असमानताएँ:-**

- पूँजीवाद आर्थिक असमानताओं को बढ़ाता है लेकिन एक मिश्रित अर्थव्यवस्था के तहत, सरकार के प्रयासों से असमानताओं को आसानी से नियंत्रित किया जा सकता है।

**प्रतियोगिता और कुशल उत्पादन:-**

- निजी और सार्वजनिक दोनों क्षेत्रों के बीच प्रतिस्पर्धा के कारण दक्षता का स्तर उच्च बना हुआ है।
- उत्पादन के सभी कारक लाभ की उम्मीद में कुशलता से काम करते हैं।

# अध्याय – 2

## बजट एवं बजट निर्माण

**बजट**

- बजट किसी भी शासन के अनुमानित आय-व्यय के लेखे को कहा जाता हैं।
- लोक प्रशासन का सबसे महत्वपूर्ण तत्व हैं, वित्तीय व्यवस्था। शासन द्वारा किये जाने वाले सभी कार्यों के लिए धन की आवश्यकता होती हैं। यह धन कहाँ से आयेगा? और यह धन कहाँ-कहाँ खर्च होगा? यह सभी बातें सुविचारित तथा सुव्यवस्थित होनी चाहिए। इसी व्यवस्था को बजट के नाम से जाना जाता हैं।

**बजट का अर्थ**

- स्पष्ट है कि शासन के अनुमानित आय-व्यय के लेखे को बजट कहा जाता हैं। यह लेखा एक वर्ष का हो सकता है या उससे अधिक वर्ष का भी हो सकता हैं। इस लेखे में वर्ष में विभिन्न मदों पर होने वाले व्यय का वर्णन रहता है, साथ ही इस बात का स्पष्ट उल्लेख भी रहता है कि उसके लिए जरुरी धन कहाँ से आयेगा? नये करों का प्रावधान भी उसमें रहता हैं।

**एक अच्छे बजट के मुख्य लक्षण या विशेषताएं**

1 बजट एक निश्चित अवधि के लिए आय-व्यय का अनुमान हैं।

2 यह एक तुलनात्मक तालिका भी है, जिसमे प्राप्तियों व खर्चों की राशियों की तुलनात्मक विवेचना होती हैं।

3 यह सरकार के लिये धन उगाही और व्यय के लिये विधायिका का आदेश हैं।

4 यह प्रशासन के कार्यों का वित्तीय प्रतिवेदन हैं।

**बजट के प्रकार (Types Of Budget)**

(1) निर्माण के आधार पर (On the Basis of Construction):

i व्यवस्थापिका द्वारा निर्मित बजट ।

ii कार्यपालिका द्वारा निर्मित बजट (भारत में यही प्रचलित हैं) ।

iii मण्डल या आयोग द्वारा निर्मित बजट (अमेरिका के कुछ राज्यों में प्रचलित हैं) ।

(2) स्वरूप के आधार पर (On the Basis of Format):

**(A) लाइन आइटम बजट (Line-Item Budget):**

यह बजट का परम्परागत रूप है । यह 18वीं-19वीं सदी में विकसित हुआ । इस बजट में वस्तुओं या मद का महत्व अधिक होता है । उन मदों या वस्तुओं पर खर्च से क्या उद्देश्य हासिल होगा, इस पर नहीं। इसका मुख्य उद्देश्य अपव्यय, अधिक खर्च और बर्बादी को रोकना है ।

i. लाइन-आइटम बजटिंग में सार्वजनिक व्यय पर कठोर नियन्त्रण रखने के उद्देश्य को प्रमुखता दी जाती है । इसमें बजट को सार्वजनिक खर्च पर नियन्त्रण रखने की विधि के रूप में देखा जाता है जिसका परिणाम वस्तुनिष्ठ बजट के रूप में सामने आता है ।

ii. इसमें व्यय की प्रत्येक मद को पंक्तिवार (लाइन) लिखा जाता हैं ।

iii. इसमें यह देखा जाता है कि जिस मद पर खर्च की स्वीकृति हुई है, वह उसी पर व्यय हो, यद्यपि लाइन आइटम बजट को इस वस्तुनिष्ठता के बजाय एक दूसरे रूप में भी बनाया जाता है । जिसमें एक मद का पैसा दूसरे मद में भी खर्च करने की अनुमति रहती हैं।

iv. इसमें खर्च की जाने वाली राशि पर जोर अधिक रहता है, उससे क्या परिणाम हासिल हुआ, उस पर नहीं ।

v. इसे अभिवर्धन बजट व्यवस्था भी कहते हैं क्योंकि बजट राशि सदैव पूर्व की अपेक्षा अधिक दी जाती है । वैसे यही बजट अन्य सुधारात्मक बजट जैसे शून्य बजट आदि का आधार होता हैं।

**(B) कार्य निष्पादन बजट (Performance Budgeting):**

- यह वर्ष 1930 की मंदी का परिणाम था ।
- सर्वप्रथम संयुक्त राज्य अमेरिका में हुवर आयोग (1949) ने इसकी सिफारिश की थी और 1950 में राष्ट्रपति ट्रुमेन ने इसे अपनाया था ।
- निष्पादन बजट (Performance Budget) शब्दावली सर्वप्रथम हुवर कमीशन (1949) ने ही प्रयुक्त की थी ।
- हुवर आयोग ने कार्य, कार्यक्रम और क्रिया को बजट का आधार बनाने की सिफारिश की थी, जो कार्य निष्पादन बजट के 3 प्रमुख तत्व हैं ।
- यह बजट व्यय को सीधे उपलब्धियों से जोड़ देता है । यह व्यय के स्थान पर व्यय के उद्देश्य पर आधारित है । इससे बजट का स्वरुप लोकतांत्रिक हो जाता है । सरकारी गतिविधियां स्पष्ट रूप से दिखाई देने लगती हैं । व्यवस्थापिका को स्पष्ट हो जाता है कि सरकार कौन से कार्यक्रम या परियोजनाएं शुरू कर रही है । इससे अगले वर्ष इनकी प्रगति के बारे में वह प्रभावशाली ढंग से पूछ सकती है ।
- यह नवीन लोक प्रशासन की देन है और वित्तीय प्रशासन में सुधार का आवश्यक अंग है । इसे शुरुवात में कार्यात्मक बजट या गतिविधि-बजट कहा जाता था ।

**भारत का बजटीय इतिहास**

- बजट शब्द का प्रतिपादन फ्रांसीसी शब्द बूजे से हुआ है , जिसका अर्थ चमड़े का बैग होता है ।
- वर्ष 1733 ई . में इंग्लैण्ड में इस शब्द का प्रयोग जादू के पिटारे के अर्थ में किया गया था ।

- **भारत में बजट निम्नलिखित अनुमानों को व्यक्त करता है ; जैसे -**

✓ विगत वित्त वर्ष के वास्तविक आय - व्यय अनुमान
✓ चालू वित्त वर्ष के बजट अनुमान
✓ चालू वित्त वर्ष के संशोधित अनुमान
✓ आगामी वर्ष के प्रस्तावित बजट अनुमान

- **भारत के बजटीय इतिहास के निम्नलिखित प्रमुख तथ्य**
- स्वतंत्र भारत का पहला बजट 26 नवम्बर , 1947 को पहले वित्त मंत्री आर. के. षणमुखम द्वारा पेश किया गया था ।
- जॉन मेथाई को वर्ष 1950 में गणतंत्र भारत का पहला केन्द्रीय बजट पेश करने का गौरव प्राप्त हुआ था ।
- गैर - हिन्दी भाषी होने के बावजूद सीडी देशमुख ने वित्तमंत्री रहते सुनिश्चित किया था कि बजट के सभी दस्तावेज हिन्दी में भी छपे । इससे पूर्व वे केवल अंग्रेजी में ही छपते थे
- मोरारजी देसाई चौधरी चरण सिंह , विश्वनाथ प्रताप सिंह और मनमोहन सिंह देश में चार ऐसे प्रधानमंत्री हुए हैं , जो वित्त मंत्री पद पर भी काम कर चुके । भारत में सबसे ज्यादा बजट पेश करने वाले वित्त मंत्री मोरारजी देसाई थे , उन्होंने कुल दस बजट पेश किए , जबकि पी . चिंदबरम ने अब तक आठ बजट पेश किए हैं ।
- हेमवती नन्दन बहुगुणा , के.सी. नियोगी और मनमोहन सिंह वित्तमंत्री रहने के बावजूद भी बजट पेश नहीं कर पाए ।
- अंग्रेजों ने भारत के लिए बजट पेश करना शुरू किया जो उसके लिए शाम के पाँच बजे का समय रखा गया था , लेकिन वर्ष 1999 से राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन सरकार के वित्तमंत्री यशवंत सिन्हा ने बजट पेश करने का समय दिन के 11 बजे कर दिया ।
- 25 फरवरी , 1992 में भारत में पहली बार रेल बजट और 29 फरवरी , 1992 को सामान्य बजट का टेलीविजन पर प्रसारण शुरू हुआ था ।
- सर्वप्रथम सर्विस टैक्स की शुरुआत वर्ष 1994-95 के बजट की गई । इस समय पहली बार टेलीफोन बिल , स्टॉक ब्रेकिंग चार्ज एवं जनरल इंश्योरेंस पर 5 % सर्विस टैक्स लगाया गया था ।

**बजट निर्माणकारी एजेंसियाँ**

- बजट का निर्माण एक व्यापक कार्य है , एक संस्था नहीं बल्कि अनेक संस्थाएँ मिलकर कार्य करती हैं , जिनका विवरण निम्नलिखित हैं-
- **योजना आयोग-** बजट निर्माण में प्रमुख भूमिका यद्यपि वित्त मंत्रालय की होती है , लेकिन योजना हेतु कितने संसाधनों की व्यवस्था तथा संसाधनों के व्यय संबंधी सभी बातों की जिम्मेदारी योजना आयोग के ऊपर होती थी । योजना आयोग बजट में योजनाओं की प्राथमिकता को शामिल करने का कार्य करती थी यही जिम्मेदारी अब NITI आयोग को दे दी गई है ।
- **वित्त मंत्रालय-** बजट के लिए जरूरी सभी संसाधनों का एकत्रीकरण , भिन्न संस्थाओं के मध्य समन्वय स्थापना तथा प्रारम्भिक स्तर से लेकर अन्तिम स्तर तक बजट के समस्त कार्यों का सम्पादन वित्त मंत्रालय ( Finance Ministry ) द्वारा ही किया जाता है ।
- **प्रशासनिक मंत्रालय** बजट के निर्माण में जरूरी सभी प्रशासनिक आवश्यकताओं की पूर्ति प्रशासनिक मंत्रालय ( Administration Ministry ) करता है ।
- **नियन्त्रक एवं महालेखा परीक्षक** - बजट निर्माण के समय आवश्यक कुशलता की पूर्ति कैग ( नियन्त्रक एवं महालेखा परीक्षक ( Comptroller and Auditor Gen eral ) द्वारा की जाती है ।

**बजट निर्माण प्रक्रिया**

- बजट निर्माण एक अत्यन्त विस्तृत एवं जटिल प्रक्रिया है । भारत में वित्तीय वर्ष की अवधि ( जिसके लिए बजट बनाया जाता है ) प्रत्येक वर्ष 1 अप्रैल, से 31 मार्च तक की रहती है ।
- बजट निर्माण हेतु प्रक्रिया सामान्यतः बजट प्रस्तुति समय से 6-7 माह पूर्व ही प्रारम्भ कर दी जाती है ।
- **बजट निर्माण प्रक्रिया को पाँच चरणों में बाँटा जा सकता है**

1. बजट का प्राक्कलन या रूपरेखा
2. बजट का दस्तावेज
3. संसद की स्वीकृति
4. बजट का क्रियान्वयन
5. वित्तीय कोषों का लेखांकन और लेखा परीक्षण

**भारत में बजट प्रस्तुतीकरण का संबंध तीन वर्षों के आँकड़ों से होता है ।**

**प्रथम चरण ( First Stage )**

- बजट निर्माण प्रक्रिया के प्रथम चरण में सर्वप्रथम वित्त मंत्रालय द्वारा प्रशासनिक मंत्रालयों , योजना आयोग तथा नियन्त्रक महालेखा परीक्षक के सहयोग से बजट की रूपरेखा तैयार की जाती है , इसमें प्रशासकीय मंत्रालय अपने अधीनस्थ कार्यालयों से प्राप्त विवरण के आधार पर वित्त मंत्रालय को प्रशासकीय आवश्यकताओं की जानकारी प्रदान करते हैं ।
- योजना आयोग योजनाओं की प्राथमिकता के बारे परामर्श देता है तथा नियन्त्रक महालेखा परीक्षक बजट का प्राक्कलन तैयार करने हेतु वित्त मंत्रालय को लेखा कौशल उपलब्ध कराता है , इस प्रकार पहले चरण में व्ययों के अनुमान तैयार किए जाते हैं ।

**दूसरा चरण ( Second Stage )**

- इस चरण में वित्त मंत्रालय द्वारा समस्त विभागों की माँगों को एकत्रित करने तथा वित्तीय संबंधी मामलों में सम्पूर्ण मंत्रिपरिषद् में निर्णय लेकर दो अलग - अलग भागों में आय और व्यय का विवरण तैयार किया जाता है , जो बजट दस्तावेज कहलाता है ।
- वित्त मंत्री द्वारा इस दस्तावेज को सामान्यतः फरवरी के अंतिम कार्य दिवस में लोकसभा में प्रस्तुत किया जाता है और इसके बाद वित्त मंत्री द्वारा बजट भाषण दिया जाता है ।

**तीसरा चरण ( Third Stage )**

- बजट निर्माण के तीसरे चरण का प्रारम्भ संसदीय चर्चा से होता है ।
- संसद में विभिन्न मदों पर चर्चा के बाद बजट निर्माण चौथे चरण में प्रवेश कर जाता है ।

- हरित आधारिक अवसंरचना के लिए संसाधनों की अभिनियोजन हेतु सार्वभौम हरित ऋण पत्र (सॉवरेन ग्रीन बॉन्ड) जारी किए जाएंगे।

**डिजिटल रुपया**

- केंद्रीय बजट 2022-23 में भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा 2022-23 से डिजिटल रुपए को प्रारंभ करने का प्रावधान करता है।

**राज्यों को अधिक राजकोषीय स्थान प्रदान करना**

- 'पूंजीगत निवेश के लिए राज्यों को वित्तीय सहायता योजना' के लिए परिवर्धित परिव्यय:
- बजट अनुमान में 10,000 करोड़ रुपये से चालू वर्ष के संशोधित अनुमानों में 15,000 करोड़ रुपये
- अर्थव्यवस्था में समग्र निवेश को उत्प्रेरित करने में राज्यों की सहायता के लिए 2022-23 में 1 लाख करोड़ रुपये का आवंटन: सामान्य उधार के अतिरिक्त पचास वर्षीय ब्याज मुक्त ऋण
- 2022-23 में, राज्यों को जीएसडीपी के 4% के राजकोषीय घाटे की अनुमति प्रदान की जाएगी, जिसमें से 5%ऊर्जा क्षेत्र के सुधारों से जुड़े होंगे ।

## बजट 2023-24

2023-24 का बजट अनुमान

- कुल प्राप्तियां (उधारी के अलावा)- 27.2 लाख करोड़
- कुल व्यय - 45 लाख करोड़
- नेट टैक्स प्राप्तियां 23.3 लाख करोड़

**बजट 2023 की खास बातें**

- भारत की प्रति व्यक्ति आय दोगुनी होकर 1.97 रु. हुई।
- अगले एक साल तक गरीबों के लिए मुफ्त अनाज योजना जारी रहेगी।
- पीएम सुरक्षा के तहत् 44.6 करोड़ लोगों को बीमा सुविधा।
- बागवानी योजनाओं पर रहेगा जोर, 2200 करोड़ रुपए का व्यय का प्रावधान।
- कृषि के लिए कर्ज का लक्ष्य बढ़ाकर 20 लाख करोड रुपए किया जाएगा।
- 157 नर्सिंग कॉलेज देश के अलग-अलग हिस्सों में खोले जाएंगे।
- अनुसूचित जाति मिशन पर अगले 3 साल में 15,000 करोड़ खर्च होंगे।
- पीएम आवास योजना फंड में 66 फ़ीसदी की बढ़ोतरी।

**बजट 2023 में क्या हुआ सस्ता और महंगा?**

- सस्ता - इलेक्ट्रिक वाहन, मोबाइल फोन, एलईडी टीवी, खिलौना, मोबाइल कैमरा लेंस, साइकिल, लिथियम बैटरी, हीरे के आभूषण।
- महंगा:- सोना, आयातित चाँदी, प्लेटिनम, विदेशी किचन चिमनी, सिगरेट।

**Note:- 2023-24 का बजट अमृत काल में पहला बजट है।**

- बजट: व्यय, कर, लेन- देन और योजनाओं का ब्लूप्रिंट है।
- संविधान के अनुच्छेद- 112 में बजट शब्द का उपयोग न करते हुए इसे "वार्षिक वित्तीय विवरण" के रूप में संदर्भित किया गया है।
- यह बजट आगामी वर्ष 2023- 24 के लिए पेश किया गया है।
- वर्ष 2022- 23 में भारत की विकास दर 7% के आस-पास रही है, जो दूसरे देशों की तुलना में बहुत बेहतर है, क्योंकि ऐसी महामारी कोविड-19 और वैश्विक मंदी जो रही है।
- वर्ष 2022-23 में राजकोषीय घाटे का लक्ष्य 6.4 प्रतिशत रखा गया था। सरकार इस लक्ष्य को हासिल करने में काफी हद तक सफल रही है।
- वर्ष 2023-24 में राजकोषीय घाटे का लक्ष्य 5.9 प्रतिशत रखा गया है और इसे 2025-26 तक 4.5 प्रतिशत से कम करने का लक्ष्य है ।
- वर्ष 2023-24 का बजट 7 मूल आधारों पर आधारित है, जिसे सप्त ऋषि- 7 कहा गया है।

1. समावेशी विकास - (a) कृषि (b) स्वास्थ्य क्षेत्र (c) शिक्षा क्षेत्र

2.वित्तीय क्षेत्र

3.युवा शक्ति

4.आखिरी व्यक्ति तक पहुंच

5. अवसंरचना निवेश

6. सक्षमता का विकास

7. हरित विकास

कृषि और सहकारिता:- ग्रामीण क्षेत्रों में नवाचार स्टार्ट-अप को प्रोत्साहन देने के लिए कृषि वर्धक निधि

- उच्च मूल्य वाली बागवानी फसलों को प्रोत्साहन देने के लिए आत्मनिर्भर बागवानी स्वच्छ पौध कार्यक्रम
- भारत को श्री अन्न देने के लिए वैश्विक केंद्र बनाने के लिए भारत बाजरा अनुसंधान संस्थान, हैदराबाद को उत्कृष्टता के रूप में बढ़ावा दिया जाएगा।
- पशुपालन डेयरी एवं मत्स्य क्षेत्र के लिए 20 लाख करोड़ रुपए के ऋण का लक्ष्य।
- भारत को मोटे अनाज का वैश्विक केंद्र बनाने के लिए सहयोग।
- भारत मिलेट (बाजरा) को लोकप्रिय बनाने के कार्य में सबसे आगे है।

❖ **स्वास्थ्य व्यय में वृद्धि:-** वित्त वर्ष 2023 में जीडीपी का 2.1 प्रतिशत।

- वर्ष 2047 तक सिकल सेल एनीमिया का उन्मूलन करने के लिए **उन्मूलन मिशन** की शुरुआत।

- चुने हुए ICMR लैब के माध्यम से सरकारी और निजी संयुक्त चिकित्सीय अनुसंधान को प्रोत्साहन।
- फार्मास्यूटिकल्स अनुसंधान को बढ़ावा देने के लिए नए कार्यक्रम की शुरुआत।

❖ **आखिरी व्यक्ति तक पहुंच बनाना** : "कोई पीछे न छूटे"

- प्रधानमंत्री PVTG विकास मिशन की शुरुआत।
- कर्नाटक के सूखा संभाव्य क्षेत्र में धारणीय सूक्ष्म सिंचाई के लिए वित्तीय सहायता।
- 740 एकलव्य आदर्श आवासीय स्कूलों के लिए 38,800 से अधिक शिक्षकों की भर्ती।
- PMGKAY के तहत, सभी अंत्योदय और प्राथमिकता प्राप्त परिवारों को एक वर्ष के लिए मुफ्त खाद्यान्न की आपूर्ति।
- प्राचीन पांडुलिपियों के डिजिटलीकरण के लिए 'भारत श्री' योजना की शुरुआत।
- पीएम- आवास योजना के परिव्यय में 66% की वृद्धि।

**अवसंरचना और उत्पादन क्षमता में निवेश** :-

**विकास व रोजगार के अवसरों में वृद्धि:**

- पूंजी निवेश परिव्यय को 33.4 प्रतिशत बढ़ाकर 10 लाख करोड़ रुपए किया गया।
- इंफ्रास्ट्रक्चर फाइनेंस सेक्रेटेरिएट, अवसंरचना में अधिक निजी निवेश के लिए सभी हित धारकों की सहायता करेगा।
- UIDF की स्थापना द्वारा श्रेणी- 2 और श्रेणी- 3 शहरों में शहरी अवसंरचना का सृजन।
- राज्य सरकारों को 50 वर्षों के लिए ब्याज मुक्त ऋण जारी रखा जाएगा।

**Note-** अमृत काल के लिए **संकल्पना:** "सशक्त और समावेशी अर्थव्यवस्था"

- इस विजन को हासिल करने के लिए आर्थिक एजेंडा में 3 चीजों पर ध्यान केंद्रित किया जाएगा।

1. नागरिकों, विशेषकर युवा वर्ग को, अपनी आकांक्षाओं की पूर्ति करने के लिए पर्याप्त अवसर उपलब्ध कराना।
2. विकास और रोजगार सृजन पर विशेष ध्यान देना।
3. वृहद् आर्थिक सुस्थिरता को सुदृढ़ करना।

❖ **अमृत काल के दौरान निम्नलिखित 4 मौके रूपांतरकारी हो सकते हैं -**

1. महिलाओं का आर्थिक सशक्तिकरण:
2. पीएम- विश्वकर्मा कौशल सम्मान (पीएम विकास)
3. पर्यटन
4. हरित विकास

❖ **अध्यापकों का प्रशिक्षण:-** नवोन्मेषी शिक्षा विज्ञान, पाठ्यचर्या संव्यवहार, सतत् पेशेवर विकास, डिपास्तिक सर्वेक्षण और आईसीटी कार्यान्वियन के माध्यम से अध्यापकों का प्रशिक्षण पुनः परिकल्पित किया जाएगा।

- बच्चों और किशोरों के लिए **"राष्ट्रीय डिजिटल पुस्तकालय"** की स्थापना की जाएगी।

❖ **अंतिम छोर व व्यक्ति तक पहुंचना:** -सरकार द्वारा आयुष, मत्स्य पालन, पशुपालन एवं डेयरी कौशल विकास, जल शक्ति तथा सहकारिता मंत्रालयों का गठन किया गया है।

❖ **आकांक्षी जिले और ब्लॉक कार्यक्रम:** - हाल ही में स्वास्थ्य, पोषण, शिक्षा, कृषि, जल संसाधन, वित्तीय समावेशन, कौशल विकास और आधारभूत अवसंरचना जैसे विभिन्न डोमेनों में अनिवार्य सरकारी सेवाओं की पूर्ण उपलब्धता के लिए 500 ब्लॉकों को कवर करते हुए आकांक्षी ब्लाक कार्यक्रम शुरू किया गया है।

❖ **एकलव्य मॉडल आवासीय स्कूल:**- अगले 3 वर्षों में केंद्र 3.5 लाख जनजातीय छात्रों के लिए चलाए जा रहे हैं 740 एकलव्य मॉडल आवासीय स्कूलों के लिए 38,800 अध्यापक और सहायक कार्मिक नियुक्त करेगा।

- **भारत साझा पुरालेख निधान (भारत श्री)** :- 'भारत साझा पुरालेख निधान' एक डिजिटल पुरालेख संग्रहालय में प्रथम चरण में एक लाख प्राचीन पुरालेखों के डिजिटलीकरण के साथ स्थापित।
- विकास और रोजगार के संवाहक के रूप में पूंजीगत निवेश में 33% की तीव्र वृद्धि करके इसे 10 लाख करोड़ रुपए किया जा रहा है, जो जीडीपी का 3.3 प्रतिशत होगा।
- प्रभावी पूंजीगत व्यय: केंद्र के 'प्रभावी पूंजीगत व्यय' का बजट 13.7 लाख करोड़ होगा जो जीडीपी का 4.5% होगा।

❖ **सक्षमता:-**

- न्यायिक प्रशासन में दक्षता लाने के लिए ई-न्यायालय का फेज- 3 शुरू किया जाएगा।
- MSME के संविदा निष्पादन को सरल बनाने के लिए 'विवाद से विश्वास-1' योजना लाई जाएगी।
- सरकार और सरकारी उपक्रमों के संविदागत विवादों को निपटाने के लिए 'विवाद से विश्वास-2' योजना लाई जाएगी।
- दुर्लभ संसाधनों के बेहतर आवंटन के लिए चुनिंदा स्कीमों के वित्त पोषण को 'इनपुट आधारित' से परिणाम आधारित में बदला जाएगा।
- दस्तावेजों को सुरक्षित तरीके से ऑनलाइन स्टोर करने के लिए और साझा करने के लिए एक 'निकाय डीजी लॉकर' स्थापित किया जाएगा।

❖ **हरित विकास : "जलवायु लक्ष्यों की प्राप्ति की ओर अग्रसर"**

- सतत् कार्य को प्रोत्साहन देने के लिए 'हरित ऋण कार्यक्रम' की शुरुआत।
- राज्यों/केंद्र शासित प्रदेशों के वैकल्पिक उर्वरक के प्रयोग को प्रोत्साहन देने के लिए 'पीएम - प्रणाम' को शुरू किया जाएगा।
- 'गोवर्धन स्कीम' के तहत् 500 नए 'अवशिष्ट से आमदनी' संयंत्रों की स्थापना की जाएगी।

के लिए, देश के शीर्ष शैक्षिक संस्थानों में कृत्रिम बुद्धिमता के लिए तीन उत्कृष्टता केंद्र स्थापित किए जाएंगे।

❖ **भारतीय प्राकृतिक खेती बायो-इनपुट संसाधन केंद्र:-**

- अगले 3 वर्षों में हम एक करोड़ किसानों को प्राकृतिक खेती अपनाने के लिए सहायता देंगे।
- इसके लिए राष्ट्रीय स्तर पर वितरित सूक्ष्म उर्वरक और कीटनाशक, विनिर्माण नेटवर्क बनाते हुए 10,000 बायो - इनपुट रिसर्च केंद्र स्थापित किए जाएंगे।

❖ **तटीय नौवहन :-**

- तटीय नौवहन को व्यवहार्यता अंतर निधियन के साथ सरकारी निजी भागीदारी (PPP) रीति के माध्यम से बढ़ावा दिया जाएगा।

❖ **"देखो अपना देश पहल" :-**

- "देखो अपना देश पहल" के तहत् (उद्देश्य) हासिल करने के लिए क्षेत्र विशिष्ट कौशलवर्धन और उद्यमिता विकास का समन्वय स्थापित किया जाएगा।
- 'वाइब्रेंट विलेज प्रोग्राम' के अंतर्गत सीमावर्ती गांव में पर्यटन के बुनियादी ढांचे का विकास किया जाएगा।

❖ **आयकर संबंधित प्रावधान :-**

- 7 लाख तक कोई आयकर नहीं
- आयकर अधिनियम 87-A के तहत् रिबेट (छूट) केवल नई कर व्यवस्था पर लागू।
- पुरानी कर व्यवस्था 80- C के तहत् छूट 5 लाख रु. पर ही रिबेट।

| CURRENT | FY24 |
|---|---|
| ₹ 0-3 लाख | NILL |
| ₹ 3-6 लाख | 5% |
| ₹ 6-9 लाख | 10% |
| ₹ 9-12 लाख | 15% |
| ₹ 12-15 लाख | 20% |
| ₹ 15 लाख से ज्यादा | 30% |

❖ **रेलवे** :-

- रेलवे के लिए ₹ 2.40 लाख करोड़ के पूंजीगत परिव्यय का प्रावधान किया गया है, अब तक का यह सर्वाधिक परिव्यय वर्ष 2013-14 में किए गए परिव्यय से लगभग 9 गुना है।

❖ **वर्ष 2014 से उपलब्धियां** : "किसी को पीछे न छोड़ो"

- वर्ष 2014 से सरकार के प्रयासों ने सभी नागरिकों के लिए बेहतर क्वालिटी की जिंदगी और इज्जत की जिंदगी सुनिश्चित की है।
- प्रति व्यक्ति आय दोगुनी से भी अधिक होकर ₹ 1.97 लाख हो गई है।
- इन 9 वर्षों में भारतीय अर्थव्यवस्था का आकार भी बढ़ा है और यह दुनिया की 10 वीं से 5 वीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन गई है।
- हमारी आजादी के 75 वें साल में दुनिया ने भारतीय अर्थव्यवस्था को एक 'चमकता सितारा' माना है।

❖ **G-20 अध्यक्षता 2023: "चुनौतियों के बीच वैश्विक एजेंडा को संचालित करना"**

- वैश्विक चुनौतियों के इस दौर में जी-20 अध्यक्षता हमें विश्व आर्थिक व्यवस्था में भारत की भूमिका को सशक्त करने का एक अद्वितीय अवसर देती है।
- थीम:- वसुधैव कुटुंबकम/ One Earth, One Family, One Future

❖ **प्रधानमंत्री पीवीटीजी विकास मिशन :-**

- विशेष रूप से संवेदनशील जनजातीय समूह की सामाजिक-आर्थिक परिस्थितियों में सुधार लाने के लिए प्रधानमंत्री पीवीटीजी विकास मिशन शुरू किया जाएगा।

❖ **हरित हाइड्रोजन मिशन :-**

- हाल ही में ₹ 19,700 करोड रुपए के परिव्यय के साथ शुरू किए गए हरित हाइड्रोजन मिशन की मदद से अर्थव्यवस्था को निम्न कार्बन सघनता वाली स्थिति में ले जाना।
- जीवाश्म ईंधन के आयातों पर निर्भरता को कम करने तथा भारत को इस उदीयमान क्षेत्र में प्रौद्योगिकी और बाजार में अग्रणी बनाने का मार्ग प्रशस्त होगा।
- हमारा लक्ष्य है, वर्ष 2030 तक 5 MMT का वार्षिक उत्पादन हासिल करना।
- इस बजट में पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय द्वारा ऊर्जा परिवर्तन तथा निवल -शून्य उद्देश्यों और ऊर्जा सुरक्षा की दिशा में प्राथमिकता प्राप्त करना तथा पूंजीगत निवेशों के लिए ₹ 35,000 करोड़ रुपए का प्रावधान किया गया है।
- लद्दाख क्षेत्र 13 गीगावॉट नवीकरणीय ऊर्जा के निष्क्रमण और ग्रिड एकीकरण के लिए अंतर राज्यीय पारेषण प्रणाली ₹ 20,700 करोड़ के निवेश के साथ निर्मित की जाएगी। जिससे ₹8,300 करोड़ रुपए की केंद्रीय सहायता शामिल है।

**अभ्यास प्रश्न**

**1. भारत का वितीय वर्ष प्रारम्भ होता है -**

(A) 1 जनवरी
(B) 1 मार्च
(C) 1 अप्रैल
(D) 1 दिसम्बर (C)

**2. बजट एक लेख-पत्र है-**

(A) सरकार की मौद्रिक नीति का
(B) सरकार की वाणिज्य नीति का
(C) सरकार की राजकोषीय नीति का
(D) सरकार की मुद्रा बचत नीति का (C)

| | |
|---|---|
| | • निर्धारित कोटे की सीमा तक रिजर्व बैंक से बैंक दर पर ऋण लिया जा सकता है। इससे अधिक ऋण देने पर बैंक दर के अतिरिक्त ब्याज की दंड दर ( Penal rate ) देनी पड़ती है।<br>• बैंक दर में वृद्धि या कमी व्यावसायिक बैंक द्वारा आवंटित ऋणों पर ब्याद दर कम या ज्यादा करने के लिए होता है।<br>• **NOTE :** बेस रेट वह दर है जिसके नीचे अनुसूचित वाणिज्यिक बैंक किसी भी तरह का ऋण नहीं दे सकते हैं। यह वर्ष 2010 में पूर्व प्रचलित प्राइम लैंडिंग रेट नोट ( PLR ) के स्थान पर अपनाया गया है |
| **नकद आरक्षण अनुपात (Cash Reserve Ratio)** | • प्रत्येक व्यापारिक बैंक अपनी कुछ जमाओं का एक निर्धारित प्रतिशत रिजर्व बैंक के पास सदैव नकद रूप में रखता है जिसे नकद आरक्षण अनुपात ( CRR ) कहते हैं।<br>• रिजर्व बैंक इस नकद पर कोई ब्याज बैंक को नहीं देता है। जब रिजर्व बैंक साख मुद्रा वृद्धि करना चाहता है, तो वह इस अनुपात में कमी कर देता है। और यदि वह साख मुद्रा में कमी करना चाहता है, तो वह इस अनुपात में वृद्धि कर देता है। |
| **वैधानिक तरलता अनुपात ( Statutory Liquidity Ratio )** | • प्रत्येक बैंक को कुल जमाराशि के एक निश्चित प्रतिशत को अपने पास नकद रूप में या अन्य तरल परिसम्पत्तियों के रूप में ( सोना अनुमोदित प्रतिभूतियाँ- सरकारी प्रतिभूतियाँ ) रखना पड़ता है जिसे वैधानिक तरलता ( SLR ) कहा जाता है।<br>• यदि रिजर्व बैंक को साख मुद्रा का प्रसार करना होता है, तो इस अनुपात को कम कर दिया जाता है, ताकि बैंकों के पास तरल कोषों में वृद्धि हो सके।<br>• यदि साख का संकुचन करना होता है, तो इस अनुपात को बढ़ा दिया जाता है, ताकि बैंकों के पास तरल कोष कम उपलब्ध हो। |
| **रेपो दर ( Repo Rate )** | • रेपो दर वह दर है जिस पर रिजर्व बैंक बैंकों को अल्पकालीन ऋण देकर अर्थव्यवस्था में तरलता की अतिरिक्त मात्रा जारी करता है।<br>• इसका प्रभाव व्यावसायिक बैंकों द्वारा आवंटित ऋणों पर प्रत्यक्ष रूप से पड़ता है।<br>• इसका प्रयोग तात्कालिक मुद्रा के प्रसार में वृद्धि या कमी के लिए किया जाता है।<br>• मंदी के दौरान रेपो दर में कटौती की जाती है ताकि मुद्रा के प्रसार में वृद्धि हो। ज्यों - ज्यों मंदी का दौर खत्म होता है, रेपो दर से वृद्धि की जाती है ताकि तात्कालिक मुद्रा का प्रसार कम हो। |
| **रिवर्स रेपो दर ( Reverse Repo Rate )** | • यह रेपो दर से उल्टी होती है। बैंकों के पास दिनभर के कामकाज के बाद बहुत बार एक बड़ी रकम शेष बच जाती है। बैंक वह रकम अपने पास रखने के बजाए रिजर्व बैंक में रख सकते हैं, जिस पर उन्हें रिजर्व बैंक से ब्याज भी मिलता है। जिस दर पर यह ब्याज मिलता उसे रिवर्स रेपो दर कहते हैं। |
| **मार्जिनल स्टैंण्डिंग फैसिलिटी ( MSF)** | • इसके अंतर्गत व्यापारिक बैंक। दिन ( 24 घण्टे ) हेतु ऋण प्राप्त कर सकते हैं।<br>• MSF के माध्यम से बैंक अपनी NDTL के 2.5% तक ऋण प्राप्त कर सकते हैं।<br>• इसमें SLR में रखी प्रतिभूतियों को भी गिरवी रख सकते हैं।<br>• यह सुविधा मात्र वाणिज्यक बैंकों को उपलब्ध है। MSF की ब्याज दर Repo rate से 0.25 % अधिक होती |

**NOTE- खुले बाजार की क्रियाएँ ( Open Market Operations )**

- खुले बाजार की क्रियाओं से आशय केन्द्रीय बैंक द्वारा बाजार में प्रतिभूतियों, ऋण - पत्रों तथा बिलों के क्रय विक्रय से है। केंद्रीय बैंक द्वारा प्रतिभूतियों को बेचने से बाजार में मुद्रा की मात्रा कम हो जाती है, जिससे साख का सन्तुलन होता है और प्रतिभूतियों के खरीदे जाने से बाजार में मुद्रा की मात्रा बढ़ती है तथा साख का विस्तार हो जाता है।
- तरलता की दृष्टि से प्रतिभूतियों एवं ऋणों का अनुक्रम है – नकद, एडहॉक ट्रेजरी बिल्स ( इन्हें बंद किया जा चुका है), ट्रेजरी बिल्स तथा कॉल मनी।

**ऋणदर का सीमांत लागत ( MCLR )**

- यह अप्रैल, 2016 में प्रभावी हुआ।
- यह फ्लोटिंग - रेट ऋणों के लिये एक बेंचमार्क ऋण दर है।
- यह न्यूनतम ब्याज दर है जिस पर वाणिज्यिक बैंक ग्राहकों को उधार दे सकते हैं।
- यह दर चार घटकों- धन की सीमांत लागत, नकद आरक्षित अनुपात, परिचालन लागत और परिपक्वता अवधि पर आधारित है।
- MCLR वास्तविक जमा दरों से जुड़ा हुआ है। इसलिए जब जमा दरों में वृद्धि होती है तो यह इंगित करता है कि बैंकों की ब्याज दर बढ़ने की संभावना है।

- इसका उद्देश्य RBI द्वारा किए गए परिवर्तन का लाभ बैंकों द्वारा उपभोक्ताओं तक पहुँचाना है ।

## (B) गुणात्मक विधियाँ

- इन विधियों द्वारा साख के प्रवाह को आर्थिक क्रिया के निर्दिष्ट या विशेष क्षेत्र की ओर मोड़ते या सीमित करते हैं ।
- गुणात्मक विधियों कुछ सीमा तक परिमाणात्मक विधियों का भी अश रहता है ।
- ये विधियाँ निम्न है –

1. **सीमांत आवश्यकता ( Margin Requirement ) :** सीमांत आवश्यकता से अभिप्राय बैंक द्वारा किसी वस्तु की जमानत पर दिए गए ऋण तथा जमानत वाली वस्तु के वर्तमान मूल्य के अंतर से है । जैसे- मान लीजिए किसी व्यक्ति ने100रु. मूल्य का माल बैंक के पास जमानत के रूप में रखा है और बैंक उसे 80रु. का ऋण देता है । इस स्थिति में सीमांत आवश्यकता 20% होगी । यदि अर्थव्यवस्था की किसी विशेष व्यावसायिक क्रिया के लिए साख के प्रवाह को सीमित करना है तो उस क्रिया के लिए सीमांत आवश्यकता को बढ़ा दिया जाएगा । इसके विपरीत यदि साख का विस्तार किया जाना है तो सीमांत आवश्यकता को कम कर दिया जाता है ।
2. **साख की राशनिंग ( Rationing of Credit) :** साख की राशनिंग से अभिप्राय विभिन्न व्यावसायिक क्रियाओं के लिए साख की मात्रा का कोटा निर्धारित करना है । साख की राशनिंग तब की जाती है जब अर्थव्यवस्था में विशेष रूप से सट्टे पर रोक लगानी होती है । केन्द्रीय बैंक विभिन्न व्यावसायिक क्रियाओं के लिए साख का कोटा निर्धारित कर देता है । ऋण देते समय वाणिज्यिक बैंक कोटे की सीमा अधिक ऋण नहीं दे सकते ।
3. **प्रत्यक्ष कार्यवाही ( Direct Action ) :** केंद्रीय बैंक को उन बैंकों के विरुद्ध प्रत्यक्ष कार्यवाही करनी पड़ती है जो उसकी साख नीति का पालन नहीं करते । प्रत्यक्ष कार्यवाही के अन्तर्गत ऐसे वाणिज्यिक बैंकों की देश की बैंकिंग प्रणाली के सदस्यों के रूप में मान्यता को रद्द कर दिया जाता है ।
4. **नैतिक प्रभाव ( Moral Suasion ) :** कभी - कभी केंद्रीय बैंक सदस्य बैंकों पर नैतिक प्रभाव डालकर उन्हें साख नियंत्रण के लिए अपनाई गई नीति के अनुसार काम करने के लिए सहमत कर लेता है । केंद्रीय बैंक का लगभग सभी वाणिज्यिक बैंकों पर नैतिक प्रभाव होता है । अतः सामान्यतः ये बैंक केंद्रीय बैंक साख के विस्तार या संकुचन करने की सलाह को मान लेते हैं । मुद्रास्फीति के समय बैंकों को साख के प्रवाह को सीमित करने तथा अवस्फीति के दौरान उदारता से ऋण देने का केंद्रीय बैंक परामर्श देता है ।

   **NOTE-** नैतिक प्रभाव में मनाने तथा दबाव डालने का मिश्रण पाया जाता है । केंद्रीय बैंक वाणिज्यिक बैंकों को अपनी मौद्रिक नीति का पालन करने के लिए मनाता है । अन्यथा उन पर दबाव डालकर अपनी नीति को मनवाता है यदि यह असफल होता है तो केंद्रीय बैंक प्रत्यक्ष कार्यवाही कर सकता है जिसमें वाणिज्यिक बैंकों की मान्यता रद्द ( Derecognition ) शामिल है । मौद्रिक नीति का एक उपकरण होने के कारण नैतिक प्रभाव एक मात्रात्मक उपाय भी है और एक गुणात्मक उपाय भी यद्यपि इसे गुणात्मक उपाय की श्रेणी में रखा जाता है ।

**चयनात्मक साख नियंत्रण (Selective Credit Control)**

- केंद्रीय बैंक की अर्थव्यवस्था के विशेष क्षेत्रों के पक्ष या विपक्ष में एक भेदमूलक नीति है ।
- विशेष क्षेत्रों ( प्राथमिक क्षेत्र - कृषि ) में साख के प्रवाह को प्रोत्साहित किया जाता है ताकि उनमें आर्थिक गतिविधियों के स्तर को बढ़ाया जा सके ।

## भारतीय स्टेट बैंक (SBI)

- आजादी के उपरान्त वर्ष 1955 में Imperial Bank of India को भारत सरकार ने अपने अधीन ले लिया एवं इसका नाम परिवर्तित कर state Bank of India कर दिया गया तत्पश्चात् कुछ अन्य बड़े बैंकों को SBI के सहायक बैंकों के रूप में परिवर्तित कर दिया गया ।
- सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों में भारतीय स्टेट बैंक सबसे बड़ा बैंक है ।
- SBI के राष्ट्रीयकरण के समय इसके साथ अन्य 8 बैंकों को SBI के सहायक बैंक ( Associate Bank ) के रूप में बदल दिया गया था और इसे स्टेट बैंक समूह ( State Bank Group ) का नाम दिया गया ।
- 1 अप्रैल, 2017 को इन सबका भारतीय स्टेट बैंक में विलय कर दिया गया ।

SBI के 7 सहायक बैंक थे-

1. स्टेट बैंक ऑफ बीकानेर एण्ड जयपुर ( वर्ष 1955 में बीकानेर और जयपुर के अलग - अलग स्टेट बैंक थे जिन्हें बाद में मिलाकर एक कर दिया गया )
2. स्टेट बैंक ऑफ पटियाला
3. स्टेट बैंक ऑफ हैदराबाद
4. स्टेट बैंक ऑफ मैसूर
5. स्टेट बैंक ऑफ ट्रावनकोर
6. स्टेट बैंक ऑफ सौराष्ट्र ( इसका SBI में वर्ष 2008 में विलय किया गया )
7. स्टेट बैंक ऑफ इन्दौर ( इसका SBI में वर्ष 2010 में विलय किया गया ) ।

भारतीय महिला बैंक जिसका गठन वर्ष 2013 में किया गया था , का भी । अप्रैल , 2017 को भारतीय स्टेट बैंक में विलय कर दिया गया ।

**बैंकों के राष्ट्रीयकरण का इतिहास**

- आजादी के दौरान भारत में कार्यरत सभी बैंक निजी क्षेत्र के थे तथा बैंकिक क्षेत्र में धोखाधड़ी चरम पर थी बैंकों का विस्तार मात्र शहरी क्षेत्रों में ही हो रहा था। एवम् समाज का उच्च वर्ग ही बैंकिंग व्यवस्था से जुड़ा था अतः बैंकों के ग्रामीण क्षेत्रों के विस्तार के उद्देश्य से समाज के निम्न वर्ग को भी बैंकिक व्यवस्था से भी जोड़ने के उद्देश्य से एवम्

## बैंकिक क्षेत्र में सुधार के उद्देश्य से गठित समितियाँ व योजनाएँ

### नरसिंहम समिति

- राष्ट्रीयकरण की प्रक्रिया के उपरान्त भारत में सभी बैंक सार्वजनिक क्षेत्र के हो गए परन्तु सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों की वित्तिय स्थिति निरन्तर कमजोर होती गई ।
- बैंकिंग क्षेत्र का लगभग काम थम सा गया एवम् प्रतिस्पर्धा तथा गुणवत्ता दोनों में कमी गई।
- अतः बैंकिक क्षेत्र में सुधार के उद्देश्य से RBI के पूर्व गवर्नर एम.नरसिंहम की अध्यक्षता में अगस्त, 1991में एक नौ सदस्य समिति का गठन किया गया था ।
- समिति ने अपनी रिपोर्ट 17 नवम्बर, 1991 को पेश की थी ।

नरसिंहम समिति के मुख्य सुझाव-

- बैंकों के राष्ट्रीयकरण की प्रक्रिया बन्द की जाए।
- सभी बैंकों की सभी शाखाओं का पूर्ण कम्प्यूटरीकरण किया जाए ।
- सार्वजनिक क्षेत्र के बैंक एवम् नीजी क्षेत्र के बैंक को समान दर्जा दिया जाये एवम् दोनों में किसी भी प्रकार का भेद-भाव न किया जाए |
- कमजोर बैंकों का विलय स्वस्थ्य बैंकों में किया जाए |
- कुछ भारतीय बैंकों को जैसे SBI को विश्व स्तरीय रूप में उभारा जाए (इसी सुझाव के अन्तर्गत SBI के सहायक बैंकों का विलय SBI में किया जा रहा है
- जमा राशि पर बैंकों द्वारा दिए गए RBI स्वतंत्र कर दें |
- लाभ चल रहीं सार्वजनिक बैंकों को शेयर बाजार में सूचीबद्ध होने की अनुमति दी जाए |
- CRR एवम् SLR को कम किया जाए ताकी बैंकों के पास कारोबार ज्यादा शाही बच सकें (इसी सुझाब के अन्तर्गत RBI संशोधन अधिनियम 2006 के अन्तर्गत CRR पर ने अधिकतम एवम् न्यूनतम सेवाएँ खत्म कर दी गई जबकि SLR पर न्यूनतम सीमा खत्म कर दी गई ।
- Asset Reconstruction companies (ARC) की स्थापना की जाये जो की बैंकों के गैर निष्पादनकारी परिसंपत्तियाँ (NPA-NonPerforming Asset) की वसूली करेंगे ।
- प्राथमिकता वाले क्षेत्रों में दिए जाने वाले ऋण में सुधार किया जाए (Prinity Sectos, handliny) एवम् यह बैंकों पर छोड़ दिया जाए कि वह कितना ऋण किल क्षेत्र में प्रदान करना चाहते हैं ।

### नरसिंहम समिति- II

- इस समिति का गठन 26 दिसम्बर, 1997 को किया गया तथा अपनी रिपोर्ट 22 अप्रैल, 1998 को केन्द्रीय वित्त मंत्री के सम्मुख पेश की ।
- समिति का उद्देश्य वित्तीय ढाँचे , संगठन , कार्यप्रणाली व कार्यविधियों से संबंधित सभी पहलुओं की जाँच की है ।
- इस समिति ने पूँजी खाते में रुपये की पूर्ण परिवर्तनीयता की सिफारिश की पर इसके पहले देश की वित्तीय व्यवस्था को मजबूत व स्थायी बनाने पर बल दिया , साथ ही बैंक की परिसम्पत्तियों की गुणवत्ता में सुधार गैर - निष्पक्षीय परिसम्पत्तियों में कमी , पूँजी (NPA) पर्याप्तता अनुपात में वृद्धि की अनुशंसा की है।
- बैंकों की खराब परिसम्पत्तियों के अधिग्रहण के लिए एसेट रिकन्सट्रक्शन फण्ड , भारतीय रिजर्व बैंक की नियामक व देख रेख सम्बन्धी क्रियाओं को पृथक करने हेतु बोर्ड फॉर फाइनेंशियल सुपरविजन ( Board for Financial Supervision , BFS ) को स्वायत्तता प्रदान करने की भी सिफारिश की ।
- बैंकों को राजनीति से मुक्त करने , निर्देशक बोर्ड में पेशेवर व्यक्तियों के शामिल करने तथा बैंक के किसी भी कर्मचारी के विरुद्ध कार्यवाही से पूर्व समुचित जाँच - पड़ताल करने की संस्तुति भी की हो ।

### दामोदरन समिति

- इस समिति की स्थापना वर्ष 2011 में की गई जिसने अपनी रिपोर्ट अगस्त, 2011 में सरकार को सौंप दी ।
- सेबी (SEBI) के पूर्व अध्यक्ष एम. दामोदरन की अध्यक्षता में गठित समिति ने बैंकिंग सेवाओं में सुधार हेतु कई महत्त्वपूर्ण सिफारिशें की हैं ।
- इसके साथ जारी रिपोर्ट पर RBI द्वारा आम जनता की टिप्पणियाँ भी आमंत्रित की गई थी
- बैंकिंग सेवाओं के संदर्भ में समिति द्वारा ' न्यूनतम बैलेन्स' की अवधारणा को समाप्त करने का सुझाव दिया गया है और आवश्यक सेवाओं को निःशुल्क बनाने की भी सिफारिशें की गई हैं ।
- होम लोन, निःशुल्क कॉल सेण्टर की स्थापना आदि के संदर्भ में भी समिति ने अपने विचार व्यक्त किए हैं ।

### खण्डेलवाल समिति

- इस समिति का गठन बैंकों में मानव संसाधन में सुधार लाने के लिए किया गया ।
- इस समिति द्वारा निम्नलिखित सुझाव दिए गए हैं – बैंकों में मानव संसाधन प्रबंधन उनकी नियुक्ति, योजना, प्रशिक्षण, भविष्य योजना, निष्पादन प्रबंधन, पुरस्कार प्रबंधन, उत्तराधिकार योजना एवं नेतृत्व विकास, अभिप्रेरण, मानव संसाधन में व्यावसायिक दृष्टिकोण, वेतन, सेवा शर्तें तथा कल्याण ।

### बैंकिंग क्षेत्र में सुधार हेतु गठित विभिन्न समितियाँ

| नाम | गठन वर्ष | कार्य क्षेत्र |
|---|---|---|
| 1991 | गोइपोरिया समिति | ग्राहक सेवा में सुधार हेतु |
| 1993 | घोष समिति | बैंकों में धोखाधड़ी रोकने हेतु |
| 1994 | नायक समिति | लघु एवं मध्यम उद्योगों को ऋण उपलब्ध कराने हेतु |
| 1997 | तारापोर समिति | विदेशी विनिमय में पूँजी खाता परिवर्तननीयता हेतु |
| 1998 | आरवी गुप्ता समिति | कृषि ऋण के क्षेत्र हेतु |

- केन्द्र तथा राज्य सरकारों द्वारा प्रत्यक्ष लाभ अंतरण (DBT) प्रारंभ करना चाहिए ।
- सावधानी के साथ समुचित ऋण (कृषि एवं गैर - कृषि क्षेत्र) उपलब्ध कराना चाहिए ।
- कारोबारी प्रतिनिधियों के नेटवर्क को मजबूत करना चाहिए।
- वित्तीय समावेशन अभियान को सफल बनाने के लिए यह आवश्यक है कि बैंकों के साथ - साथ राज्य सरकारों की भी सक्रिय भूमिका हो ।
- बैंकों द्वारा ग्राहक संबंधी सूचनाओं को एकत्रित किया जाना चाहिए । साथ ही उनको आधार कार्ड से जोड़ा जाना चाहिए।
- ग्राहकों की आवश्यकता , क्षेत्र एवं सुविधानुरूप ही बैंक उत्पाद निर्गत किये जाएँ ।
- दूरस्थ ग्रामीण क्षेत्रों के लिए कम लागत वाले सौर ऊर्जा चालित बायोमैट्रिक एटीएम स्थापित किए जाएँ ।
- **भाषा की बाध्यता समाप्त करना**

➢ भारत की बड़ी जनसंख्या अंग्रेजी और हिंदी भाषा नहीं जानती है जबकि इन्हीं दोनों भाषाओं का प्रयोग बैंकिंग कार्यों में होता है । इस समस्या को समझते हुए बैंकों के लिए खाता खोलने संबंधित फॉर्म क्षेत्रीय भाषाओं में भी उपलब्ध कराना अनिवार्य कर दिया गया ।

**के. वाई. सी. ( Know Your Customer ) मानकों को सरलीकरण**

- ज्यादातर ग्रामीण लोगों के पास बैंक खाता खोलने एवं के.वाई.सी. ( Know Your Customer ) मानकों के अनुपालन के लिए आवश्यक पहचान संबंधी प्रमाण पत्र नहीं होते हैं । इस कारण से बैंक से रु . 50,000 तक रखने के इच्छुक व्यक्तियों के मामले में खाता खोलने की प्रक्रिया सरल बना दी गई है ।

**सूचना एवं संचार तकनीक**

- भारतीय रिजर्व बैंक ने वाणिज्यिक बैंकों की व्यवहार्यता एवं पहुँच बढ़ाने के लिये तकनीक के अधिकतम उपयोग को बढ़ावा देने के लिए प्रोत्साहित किया है । इस तरह से सूचना एवं संचार तकनीकी से निरक्षरों को भी अपने बैंक खाते के संचालन का अवसर उपलब्ध कराया ।

**डिजिटल भुगतान**

➢ भारत में इस हेतु दो समितियों का गठन हुआ है

(i) चन्द्रबाबू नायडु समिति

(ii) रतन P वाटल समिति

➢ इलेक्ट्रॉनिक माध्यमों में भुगतान कहा जाता है । यह तीव्र , पारदर्शी व अधिक सुरक्षित माना जाता है ।

➢ भारत में सरकार द्वारा निरंतर डिजिटल भुगतान को प्रोत्साहित करने के प्रयास किये जा रहे हैं ।

➢ डिजिटल पेमेंट के संदर्भ में चन्द्रबाबू नायडू समिति की प्रमुख सिफारिशे

- सरकार द्वारा Smart phone पर सब्सिडी दी जानी चाहिए, जिनसे Simart Phone की पहुँच अधिकाधिक लोगों तक सुनिश्चित की जा सके ।
- Cash Payment को हतोत्साहित करने के लिए उस पर ( Tax ) लगाया जाना चाहिए ।
- मर्चेन्ट डिस्काउंट रेट ( MDR ) को खत्म किया जाना चाहिए । जिससे व्यापारियों को डिजिटल पेमेंट के लिए प्रोत्साहित किया जा सके ।
- Digital Payment करने वाले लोगों को Tax में छूट दी जानी चाहिए ।

रतन वाटल समिति द्वारा भी देश में डिजिटल भुगतान प्रणाली को मजबूत करने के लिए निम्न सिफारिशें की गई ।

- देश में डिजिटल पेमेंन्ट के विनियमन के लिए स्वतंत्र डिजिटल भुगतान रेगुलेटरी बोर्ड का गठन किया जाए जो वर्तमान में RBI द्वारा किया जाता है ।
- वर्तमान विद्यमान कानूनों को सख्त किया जाए ।
- Real Time Payment System का क्षेत्र विस्तृत किया जाए विभिन्न कार्यक्रमों एवं योजनाओं के तहत् डिजिटल पेमेंट को प्रोत्साहित किया जाए ।
- डिजिटल पेमेंट संबंधी प्रतिस्पर्धा बढ़ाने के लिए राज्यों को रैंकिंग दी जाए तथा बेहतर प्रदर्शन वाले राज्यों को प्रोत्साहित भी दिया जाए ।
- 'दीपायन फंड' का गठन जिसका उपयोग डिजिटल पेमेंट भुगतानों को बढ़ाने में किया जाए।

**देश में डिजिटल पेमेन्ट से जुड़ी चुनौतियाँ**

- बैंकिंग अवसरंचना की कमी ।
- डिजिटल साक्षरता व जागरूकता की कमी ।
- देश में अनौपचारिक क्षेत्र की प्रधानता जिसमें लगभग 90 % भुगतान नकद रूप में होते हैं।
- देश में इंटरनेट पेनिट्रेशन वर्तमान में 20 % से भी कम हैं , जो एक प्रमुख चुनौती है ।
- तकनीकी अपग्रेडेशन व टेलिकॉम नेटवर्क की गुणवत्ता संबंधी चुनौतियां ।
- Device Access और Password संबंधी Risk व डाटा सुरक्षा संबंधी मुद्दे ।
- डिजिटल पेमेन्ट को और अधिक सुरक्षित बनाने के लिए RBI द्वारा नंदन नीलेकणी की अध्यक्षता में एक समिति का गठन किया गया है । जो इस संबंध में अपनी सिफारिशें RBI को सौंपेगी।

**डिजिटल भुगतान के लाभ**

- **सरकार के स्तर पर**

➢ नकदी रहित अर्थव्यवस्था

➢ अधिक स्तर राजस्व की प्राप्ति

➢ कालेधन पर नियंत्रण

➢ जाली मुद्रा की समस्या से निजात ।

➢ मुद्रा की प्रिंटिंग लागत में कमी ।

- **उपयोगकर्ता के स्तर पर**

➢ आसान व सुविधाजनक

➢ कहीं भी , कभी भी भुगतान की सुविधा ।

➢ करों से छूट प्राप्ति ।

➢ लिखित रिकॉर्ड

होगयी 112 रुपये। चूंकि उस वस्तु के निर्माण में लागत आयी 8 रुपये, तो उस वस्तु की कुल कीमत हो गयी 120 रुपये।

माना अब 120 रुपये वाली वस्तु पर 18%टैक्स लगना था लेकिन यहां पर उस वस्तु को कच्चे माल के रूप में पहले ही खरीदा जा चुका है तथा उस पर 12% टैक्स भी पहले ही लग चुका है अतः इस बात पर 18% टैक्स नही लगेगा।

18% से 12% घटाकर मात्र6% टैक्स ही लगेगा, जिससे वस्तुओं की कीमतों में पहले की अपेक्षा स्थिरता आयेगी। यही है GSTका सबसे बड़ा फायदा जो टैक्स पर टैक्स लगाने वाली प्रथा को खत्म करेगा।

**आइये अब इसको एक चार्ट के माध्यम से समझने की कोशिश करते है।**

| **इस चार्ट के माध्यम से समझे-** | **वर्तमान स्थिति में वस्तु की कीमत** | **GST लागू के बाद पड़ने वाला प्रभाव** |
|---|---|---|
| **पहला चरन (निर्माता)** | • एक उधमी100 रुपये का कपड़ा खरीदता है।<br>• इसमें 10 रुपये का अप्रत्यक्ष कर भी शामिल है।<br>• इससे तैयार शर्ट कि लागत आयी30 रुपये।<br>• शर्ट तैयार होने पर कीमत रखी गयी 130 रुपये<br>• इस पर लगता है 10% टैक्स (कर)<br>• 130 रु. इज 10% से कुल कर हुआ 13 रुपये<br>• शर्ट कि कुल कीमत 130+13=143रुपये | • एक उधमी 100 रुपये का कपडा खरीदता है।<br>• इससे 10 रुपये का अप्रत्यक्ष कर भी शामिल है।<br>• इससे तैयार शर्ट कि लागत आती है 30 रुपये।<br>• शर्ट तैयार होने पर वह कीमत रखता है 130 रुपये।<br>• इस पर लगता है 10% कर।<br>• 130 रुपये पर 10% से कुल कर हुआ 130 रुपये।<br>• इस पर लगता है 10% कर।<br>• 130 रुपये पर 10% से कुल कर हुआ 130 रुपये।<br>• क्योंकि वह 10 रुपये का टैक्स कपड़ा खरीदते वक्त दे चुका है अतः उसे कर देना होगा 13-10=3 रुपये। |
| **दूसरा चरण (थोक विक्रेता)** | • थोक विक्रेता ने इसे 143 रुपये में खरीदा<br>• 20 रुपये का मुनाफा जोड़ने पर कीमत 163 रुपये।<br>• 10% का कर लगने के बाद कीमत 16.30 रुपये<br>• कर जोड़ने का शर्ट की कुल कीमत हो गयी 179.30 रुपये। | • थोक विक्रेता ने इसे 130 रुपये में खरीदा।<br>• 20रुपये का मुनाफा जोड़ने पर शर्ट की कीमत 150 रुपये।<br>• 10% का टैक्स लगने बाद कीमत 15 रुपये।<br>• निर्माता इस पर पहले ही 13 रुपये कर का भुगतान कर चुका है। अतः थोक विक्रेता को पहले छूट मिलेगी, कर के रूप में उसे अदा करना होगा 15-13=2 रुपए GST |
| **तीसरा चरण रिटेलर (खुदरा व्यापारी)** | • थोक विक्रेता ने रिटेलर को शर्ट 179.30 रुपये में<br>• रिटेलर ने पैंकिंग कर के 10 रुपये का मुनाफा जोड़ा शर्ट की कीमत हो गयी 189.30 रुपये<br>• इस पर लगता है 10% का टैक्स अतः 189.30 रुपये पर देना होगा 18.9 रुपये टैक्स | • थोक विक्रेता ने रिटेलर को 150 रुपये में शर्ट बेची।<br>• रिटेलर ने इसकी पैंकिंग करके 10 रुपये का मुनाफा जोड़ा, शर्ट कि कीमत हो गयी 160 रुपये।<br>• थोक विक्रेता के स्तर तक 15 रुपये का भुगतान पहले ही हो चुका है अतः रिटेलर को देने होगें 16-15= केवल 1 रुपया। |
| **कुल कीमत** | अतः शर्ट पर निर्माता, थोक विक्रेता और रिटेलर के स्तर पर लगा कुल वर्तमान करो का मूल्य,<br>10+13+16.3+18.9=58.23 रुपये टैक्स<br>शर्ट की कुल कीमत होगी –<br>143+58.23=201.23 रुपये | अतः शर्ट पर निर्माता, थोक विक्रेता और रिटेलर के स्तर पर लगा कुल वर्तमान करों का मूल्य,<br>10+3+2+1= केवल 16 रुपये GST<br>शर्ट की कीमत होगी<br>130+16=146 रुपये |

## अभ्यास प्रश्न

**1. मुद्रास्फीति वह अवस्था है जिसमें..........................**
(a) मुद्रा की कीमत घट जाती है
(b) मुद्रा की कीमत बढ़ जाती है
(c) मुद्रा की कीमत पहले बढ़ जाती है फिर कम हो जाती है
(d) मुद्रा की कीमत पहले कम होती है फिर बढ़ जाती है [A]

**2. मुद्रास्फीति की स्थिति में वस्तुओं की कीमतों पर क्या प्रभाव पड़ता है?**
(a) वस्तुओं की कीमतें घट जाती हैं
(b) वस्तुओं की कीमतें बढ़ जाती हैं
(c) कोई प्रभाव नही पड़ता है.
(d) पहले कीमतें घटती हैं फिर बढ़ जाती हैं [B]

**3. जब अर्थव्यवस्था में मुद्रास्फीति अधिक होती है तो अर्थव्यवस्था में मुद्रा की पूर्ति पर क्या प्रभाव पड़ता है?**
(a) कोई फर्क नही पड़ता है
(b) मुद्रा की पूर्ति घट जाती है
(c) मुद्रा की पूर्ति बढ़ जाती है
(d) निम्न में से कोई नही [C]

**4. बढ़ी हुई मुद्रास्फीति की दशा में निम्न में से कौन सा वर्ग हानि में नही रहता है?**
(a) उपभोक्ता वर्ग
(b) ऋण दाता वर्ग
(c) पेंशनभोगी वर्ग
(d) व्यापारी वर्ग [D]

**5. निस्पंद (Stagflation)किसे कहते हैं?**
(a) अर्थव्यवस्था में ऐसी स्थिति जिसमे केवल मंदी मौजूद हो
(b) अर्थव्यवस्था में ऐसी स्थिति जिसमे मुद्रास्फीति तथा मंदी दोनों एक साथ बनी रहें
(c) अर्थव्यवस्था में ऐसी स्थिति जिसमे बेरोजगारी अधिक हो
(d) b और c दोनों [D]

**6. मुद्रा स्फीति की तुलना डाकू से किसने की है?**
(a) प्रोफेसर कीन्स
(b) प्रोफेसर जगदीश भगवती
(c) प्रोफेसर ब्रह्मानंद और वकील
(d) अमर्त्य सेन और जे के मेहता [C]

**7. "How to pay for Money" पुस्तक किसने लिखी थी?**
(a) अमर्त्य सेन
(b) एडम स्मिथ
(c) कार्ल मार्क्स
(d) प्रोफेसर कीन्स [D]

**8. मुद्रा अवस्फीति (deflation) की धारणा किस थ्योरी के ठीक विपरीत है?**
(a) स्टैग फ्लेशन
(b) मुद्रास्फीति
(c) मंदी
(d) विस्फीति [B]

**9. निम्न में से कौन सा उपाय मुद्रास्फीति को कम करने के लिए अपनाया जाता है?**
(a) बैंक रेट में कमी
(b) रेपो रेट में कमी
(c) सरकारी खर्च में वृद्धि
(d) सरकारी खर्च में कटौती [D]

**10. भारत में थोक मूल्य (WPI) पर मुद्रास्फीति मापने का आधार वर्ष क्या है?**
(a) 2004-05
(b) 2001-02
(c) 2011-12
(d) 2014-15 [C]

### RAS Mains गत वर्ष प्रश्न

प्रश्न.-1. माँग का नियम से क्या आशय है ? (2022)
प्रश्न.-2. संरचनात्मक मुद्रास्फीति को समझाइए।
प्रश्न.-3. CPI क्या है ? इसका आधार वर्ष क्या है ?
प्रश्न.-4. मुद्रा के विभिन्न कार्य बताइये ।
प्रश्न.-5. मुद्रास्फीति के अर्थव्यवस्था पर पड़ने वाले प्रभावों की व्याख्या कीजिए ।
प्रश्न.-6. मुद्रास्फीति को थोक विक्रेता व उपभोक्ता दोनों दृष्टिकोण से मापा जाता है। दोनों दृष्टिकोणों के मध्य अंतर स्पष्ट कीजिए ।
प्रश्न.-7. माँग और आपूर्ति का नियम समझाइये ?
प्रश्न.-8. माँग के नियम के अपवाद को उदाहरण सहित समझाइये ?

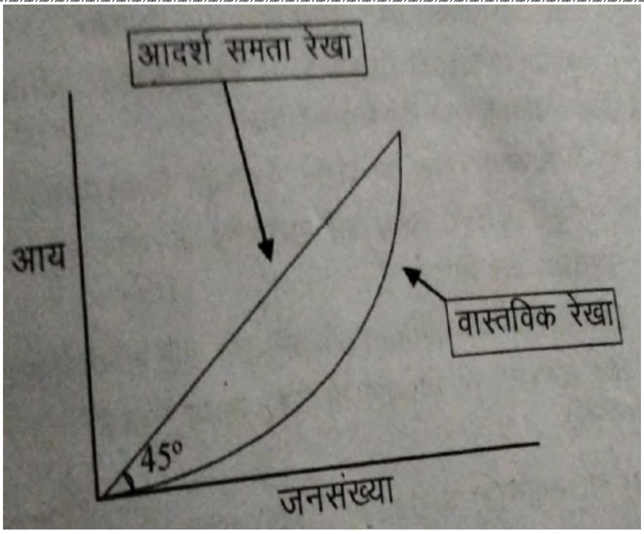


- ***आदर्श समता रेखा*** *उदाहरण - 10% लोगों के पास 10% धन , 90% लोगों के पास 90% धन वास्तविक रेखा , आदर्श रेखा के जितनी निकट होती है आय की समानता उतनी ही अधिक होती है । वास्तविक रेखा , आदर्श रेखा के जितनी दूर होगी आय की असमानता उतनी ही अधिक होती है ।*
- *यदि आर्थिक संवृद्धि के साथ – साथ लॉरेंज वक्र कि ढाल ऊंची होती जाए तो ऐसी आर्थिक प्रगति को समावेशी आर्थिक समृद्धि कहते है।*
- *यदि आर्थिक संवृद्धि के साथ – साथ लॉरेंज वक्र कि ढाल काम होती जाए तो ऐसी आर्थिक परिवर्तन को गैर समावेशी आर्थिक संवृद्धि कहते है।*

***लॉरेंज सारणी:***

*(समय समय पर BPL रेखा का समायोजन करना चाहिए)*

| राष्ट्रीय आय मे अंशभागिता / आय वर्ग | | राष्ट्रीय आय मे अंशभागिता | |
|---|---|---|---|
| | | **स्वतंत्र** | **संचयी** |
| HIG 20% | | 46.1% | 100.0% |
| MIG | UMIG 20% | 19.2% | 53.9% |
| | MMIG 20% | 15.0% | 34.7% |
| | LMIG 20% | 11.6% | 19.7% |
| LIG 20% | | 8.1% | 8.1% |

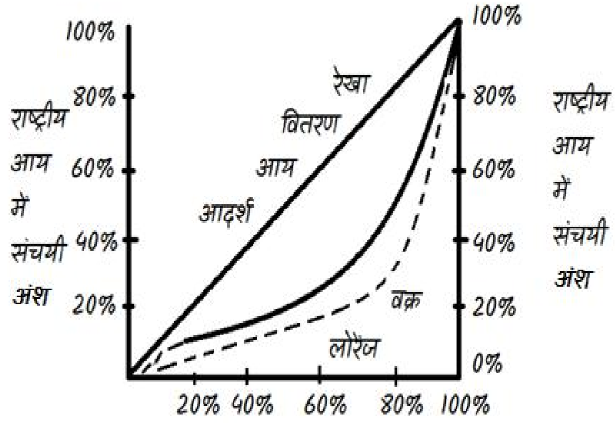


*वर्ष 2000 -07 का आंकड़ा*

*(i) यदि पुराने रेखा के आपेक्ष नए लॉरेंज का वक्र नीचे हो गई है तो गरीबों का अंशदान और बंट गया है। अतः गरीबों मे वृद्धि हुई।*

*(ii) यदि लॉरेंज वक्र का अंतराल आदर्श आय वितरण रेखा से बढ़ता है तो विषमता बढ़ता है।*

*(iii) Bricks देशों में*

*I– आर्थिक विषमता काम है।*

*S– अधिक विषमता है।*

- *यदि आर्थिक संवृद्धि के साथ – साथ लॉरेंज वक्र कि ढाल ऊँची होती जाए तो ऐसी आर्थिक प्रगति को समावेशी आर्थिक समृद्धि कहते है।*
- *यदि आर्थिक संवृद्धि के साथ – साथ लॉरेंज वक्र कि ढाल काम होती जाए तो ऐसी आर्थिक परिवर्तन को गैर समावेशी आर्थिक संवृद्धि कहते है।*

*- भारत में 2006-07 से 2011-12 ( 11 वीं FYP) में गैर-आर्थिक समृद्धि दिखती है।*

- *More Rapid More inclusive and development Growth (12 FYP का शीर्षक)*
- *Inclusive Growth (11 FYP का शीर्षक)*

***गिनी गुणांक-***

- *इसका प्रतिपादन कोराडो गिनी ने वर्ष 1912 में किया ।*
- *यह लॉरेंज वक्र का गणितिय रूप है ।*
- *गिनी गुणांक का माप 0 से 1 के मध्य होता है*
- *0- आय की पूर्ण समानता तथा 1- आय की पूर्ण असमानता को दर्शाता है ।*

***भारत में गरीबी का आकलन:*** -

*भारत में गरीबी का आकलन निरपेक्ष विधि से किया जाता है । भारत की स्वतंत्रता के बाद से अब तक देश में गरीबी में रह रहे लोगों की संख्या के अनुमान के लिये 6 आधिकारिक समिति का गठन किया जा चुका है।*

1. *योजना आयोग कार्य समूह (वर्ष 1962)*
2. *वी एम दांडेकर और एन रथ (वर्ष 1971)*
3. *अलघ समिति (वर्ष 1977)*
4. *लकड़ावाला समिति (वर्ष 1989)*
5. *तेंदुलकर समिति (वर्ष 2005)*
6. *रंगराजन समिति (वर्ष 2012)*

**नीलकांत दांडेकर और वी.एम. रथ समिति :**

- इनके फॉर्मूले के आधार पर स्वतंत्रता के बाद पहली बार वर्ष 1971 में वैज्ञानिक तरीके से गरीबी रेखा का निर्धारण किया गया ।
- इस समिति ने वर्ष 1973 में रिपोर्ट दी जिसमें नेशनल सेंपल सर्वे (NSS) के उपभोग खर्च के आँकडों का प्रयोग किया गया जो वर्ष 1960-61 पर आधारित थे।
- इस समिति ने कैलोरी को आधार माना और औसत रूप से 2250 कैलोरी प्रतिव्यक्ति प्रतिदिन मात्रा निर्धारित की गई थी।

**वाई के अलध समिति :**

- वाई के अलध की अध्यक्षता में योजना आयोग ने वर्ष 1977 में इस समिति का गठन किया।
- इस समिति ने दांडेकर एवं रथ के फॉर्मूले का आधार वर्ष बदलकर 1973-74 पर दिया और पहली बार शहरी और ग्रामीण क्षेत्रों के लिए कैलोरी की अलग-अलग मात्रा निर्धारित की, जो क्रमशः 2100कैलोरी और 2400 कैलोरी थी।

**डी. टी. लकडवाला समिति :**

- योजना आयोग ने देश में निर्धनता की माप के लिए वर्ष 1989 में प्रो. डी. टी. लकडवाला की अध्यक्षता में एक समिति गठित की वर्ष 1993 में इस समिति ने अपनी रिपोर्ट प्रस्तुत की।
- इसके अनुसार प्रत्येक राज्य में मूल्य स्तर के आधार पर अलग-अलग निर्धनता रेखा का निर्धारण किया जाना चाहिए अर्थात् प्रत्येक राज्य की निर्धनता रेखा भिन्न-भिन्न होगी।
- इस समिति के मापन का आधार अलग-अलग था अर्थात् ग्रामीण और शहरी निर्धनता के लिए क्रमशः कृषि श्रमिकों का CPI व औद्योगिक श्रमिकों का CPI निर्धारित किया गया था।

**सुरेश तेंदुलकर समिति :**

- योजना आयोग ने वर्ष 2005 में सुरेश तेंदुलकर की अध्यक्षता में समिति बनाई जिसने अपनी रिपोर्ट वर्ष 2009 में सोंपी।
- इस समिति ने कैलोरी उपभोग की आलोचना की।
- इन्होने कैलोरी उपभोग की जगह उपभोग व्यय को आधार माना ।
- इन्होने गरीबी को बहुआयामी माना ।
- सुरेश तेंदुलकर समिति ने जीवन की लागत की अवधारणा भी दी ।
- इस समिति ने गरीबी रेखा का निर्धारण किया-
  शहरी – 33.33 रु . प्रतिदिन ( 1000 / महीना )
  ग्रामीण- 27.20 रु प्रतिदिन ( 816 / महीना )
  इस समिति ने वर्ष 2009 में अपनी रिपोर्ट पेश की इसके आधार पर 2011-12 में भारत में गरीबी का मापन किया ।

**NSSO के 68 वें दौरे की गणना के अनुसार**

| वर्ष 2004-05 | वर्ष 2011-12 |
|---|---|
| 37.12 % | 21.9 % |

| | | |
|---|---|---|
| भारत में गरीबी | ग्रामीण 25.7 % | कुल 21.9 % |
| | शहरी 13.7 % | |

| | | |
|---|---|---|
| राजस्थान में गरीबी | ग्रामीण 16.05 % | कुल 14.7 % |
| | शहरी 10.69 % | |

**NOTE :** तेन्दुलकर समिति ने गरीबी रेखा के निर्धारण के लिए जीवन निर्वाह लागत सूचकांक अर्थात् प्रति व्यक्ति उपभोग व्यय को आधार बनाया।

**NOTE :** सर्वाधिक गरीबी प्रतिशत- **छत्तीसगढ**

**NOTE :** न्यूनतम गरीबी प्रतिशत - **गोवा**

**NOTE :** सर्वाधिक ग्रामीण गरीबी- **मणिपुर**

**NOTE :**सर्वाधिक शहरी गरीबी – **छत्तीसगढ़**

**NOTE :** भारत में गरीबों की कुल संख्या - 26.9 करोड़ ( 21.9 % ) राजस्थान में गरीबों की कुल संख्या -1.02 करोड ( 14.71 % )

गरीबी मापन की पुनर्समीक्षा हेतु वर्ष 2012 में सी. रंगराजन समिति का गठन किया गया ।

**सी. रंगराजन समिति**

- गठन- 2012
- रिपोर्ट- 2014
- इन्होने गरीबी को बहुआयामी माना।
- गरीबी रेखा के आकलन में पोषण वस्त्र , मकान , यातायात , शिक्षा आदि को आधार माना।

| | **कैलोरी** | **प्रोटीन** | **वसा** |
|---|---|---|---|
| ग्रामीण | 2155 | 48 ग्राम | 28 ग्राम |
| शहरी | 2090 | 50 ग्राम | 26 ग्राम |

- गरीबी रेखा ग्रामीण 32.40रु. ( 972/ महीना ) शहरी 46.90 रु. ( 1407/ महीना )
- रंगराजन समिति के अनुसार 2011- 12 में गरीब

| | | |
|---|---|---|
| राजस्थान में गरीबी | ग्रामीण 22.5% | कुल 21.7 % |
| | शहरी 21.4% | |

# राजस्थान की अर्थव्यवस्था

## अध्याय – 1

## अर्थव्यवस्था का वृहद् परिदृश्य

**नोट – इस अध्याय के नवीनतम आँकड़े अध्याय – 7 में "बजट एवं आर्थिक समीक्षा 2023 - 24" में पढ़िएगा।**

प्रचलित कीमतों पर **सकल राज्य घरेलू उत्पाद** (जीएसडीपी) **वर्ष 2021-22** के लिए **₹11.96 लाख करोड़** होने का अनुमान है, जबकि **वर्ष 2020-21** के दौरान यह **₹10.13 लाख करोड़** था, जो कि **पिछले वर्ष** की तुलना में **18.04 प्रतिशत** की वृद्धि दर्शाता है। वर्ष 2021-22 में स्थिर (2011-12) कीमतों पर **सकल राज्य घरेलू उत्पाद** अनुमान **₹7.33 लाख करोड़** अनुमानित किया गया है जो कि **वर्ष 2020-21 के ₹6.60 लाख करोड़** से **11.04 प्रतिशत की वृद्धि** दर्शाता है।

प्रचलित कीमतों पर शुद्ध राज्य घरेलू उत्पाद (एनएसडीपी) वर्ष **2021-22** के लिए **₹10.79 लाख करोड़** होने का अनुमान है, जबकि **वर्ष 2020-21** के दौरान यह **₹9.14 लाख करोड़** था, जो कि **पिछले वर्ष** की तुलना में **18.01 प्रतिशत** की वृद्धि दर्शाता है। वर्ष **2021-22** में स्थिर (2011-12 ) कीमतों पर **शुद्ध राज्य घरेलू उत्पाद** अनुमान **₹6.48 लाख करोड़** अनुमानित किया गया है, जो कि **वर्ष 2020-21 के ₹5.84 लाख करोड़ से 11.05 प्रतिशत की वृद्धि** दर्शाता है।

प्रचलित कीमतों पर **प्रति व्यक्ति आय** वर्ष **2021-22** में **₹1,35,218** अनुमानित की गई है, जो कि गत वर्ष **2020-21** की **₹1,15,933** से 16.63 प्रतिशत की वृद्धि को दर्शाती है। **स्थिर (2011-12) कीमतों** पर **प्रति व्यक्ति आय** वर्ष **2021-22** में **₹81,231** अनुमानित की गई है, जो कि गत वर्ष **2020-21** की ₹**74,009 से 9.76** प्रतिशत की **वृद्धि को दर्शाती** है।

**आर्थिक विकास के मुख्य सूचक**

| क्र.सं. | विवरण | इकाई | 2017-18 | 2018-19 | 2019-20 | 2020-21 | 2021-22 |
|---|---|---|---|---|---|---|---|
| 1 | 2 | 3 | 4 | 5 | 6 | 7 | 8 |
| 1. | सकल राज्य घरेलू उत्पाद<br>(अ) स्थिर (2011-12) मूल्यों पर | रु. करोड़ | 628020 | 642929 | 679564 | 660118 | 733017 |
| | प्रचलित मूल्यों पर | | 832529 | 911674 | 999050 | 1013323 | 1196137 |
| 2. | सकल राज्य घरेलू उत्पाद वृद्धि दर<br>(अ) स्थिर (2011-12) मूल्यों पर | प्रतिशत | 5.24 | 2.37 | 5.70 | -2.86 | 11.04 |
| | (ब) प्रचलित मूल्यों पर | | 9.46 | 9.51 | 9.58 | 1.43 | 18.04 |
| 3. | सकल राज्य मूल्य वर्धन<br>स्थिर (2011-12) बुनियादी मूल्यों का क्षेत्रवार योगदान | प्रतिशत | | | | | |
| | (अ) कृषि | | 25.20 | 26.14 | 28.05 | 30.45 | 28.85 |
| | (ब) उद्योग | | 32.52 | 27.65 | 26.09 | 25.26 | 26.34 |
| | (स) सेवाएँ | | 42.28 | 46.21 | 45.86 | 44.29 | 44.81 |
| 4. | सकल राज्य मूल्य वर्धन प्रचलित बुनियादी मूल्यों का क्षेत्रवार योगदान | प्रतिशत | | | | | |
| | (अ) कृषि | | 26.14 | 25.88 | 27.83 | 30.98 | 30.23 |
| | (ब) उद्योग | | 29.23 | 26.26 | 24.54 | 23.42 | 24.67 |
| | (स) सेवाएँ | | 44.63 | 47.86 | 47.63 | 45.60 | 45.10 |

4. अमरूद उत्कृष्टता केंद्र, देवड़ावास, टोंक (Centre of Excellence for Guava, Devdawas, Tonk) - 2014
5. संतरा (साइट्रस), मसालों और औषधीय पौधों के लिए उत्कृष्टता केंद्र, झालावाड़ (Centre of Excellence for Citrus, Spices & Medicinal plants, Jhalawar) 2014
6. आंवला, आम, बेर, जैतून, अमरूद के लिए उत्कृष्टता केंद्र, खेमरी, धौलपुर Centre of Excellence for Aonla, Mango, Ber, Olive, Guava Khemri, Dholpur 2014
7. सब्जी फसल उत्कृष्टता केन्द्र, बून्दी (Center for Excellence for Vegetable Crops, Bundi)
8. फूल उत्कृष्टता केन्द्र, सवाईमाधोपुर (Center of Excellence for Flowers, Sawai Madhopur)
9. सीताफल उत्कृष्टता केन्द्र, चित्तौड़गढ़ (Center of Excellence for Custard Apple, Chittorgarh)

## डेयरी और पशुपालन

**डेयरी -**

- राजस्थान में डेयरी उद्योग का सर्वाधिक विकास - जयपुर में हुआ।
- राजस्थान में प्रथम डेयरी - पद्मा (अजमेर ) 1938
- राजस्थान राज्य डेयरी विकास निगम 1975 में विश्व बैंक के सहयोग से जयपुर में स्थापित किया गया ।
- डेयरी विकास के लिए राज्य में त्रिस्त्रीय ढाँचा बनाया गया है।

**त्रिस्तरीय ढाँचा (डेयरी विकास हेतु सरकार की योजनाएँ)**

1. शीर्ष RCDF - 1977 राज. सहकारी डेयरी संघ जयपुर )
2. जिला स्तर पर जिला दुग्ध सहकारी संघ (23)
3. ग्रामीण स्तर पर प्राथमिक सहकारी दुग्ध समितियाँ

- इसे राजस्थान डेयरी विकास निगम के स्थान पर बनाया गया।

- **सामाजिक दायित्वों की पूर्ति हेतु दुग्ध उत्पादकों को बीमा उपलब्ध कराया जा रहा।**

1. राज सरस सुरक्षा कवच बीमा योजना - व्यक्तिगत दुर्घटना बीमा योजना । इसमें मृत्यु व पूर्ण स्थायी विकलांग - 5 लाख रुपये
   **आंशिक** विकलांग होने पर 2.5 लाख रुपये मिलते हैं ।
2. सरस सामूहिक आरोग्य योजना - जिला सहकारी संघों से

**Note :-** राजस्थान में संचालित प्रमुख डेयरी - सेवा निवृत कर्मचारी - बीमारी हेतु वित्तीय सेवा प्रदान

- वरमूल (WRMUL ) :- Western Rajasthan Milk Union Ltd. Jodhpur
- उरमूल (URMUL ) :- Uttari Rajasthan Milk Union Ltd. Bikaner
- गंगमूल (Gangmul ) :- Langanagar Milk Union Ltd.
- मेट्रो डेयरी - Bassi (Jaipur )
- क्षमता - 11 लाख लीटर
- ऊँटनी के दुग्ध विपणन का केन्द्र जयपुर में स्थापित किया गया है।
  क्षमता = 21000 लीटर / day

## पशुपालन

**पशु गणना**

विभाग - राजस्व मण्डल विभाग - अजमेर

समय - 5 साल में एक बार

पशुगणना - 1st - 1919 - 1920
2nd - 1951

20 वीं - 16 जुलाई 2017 से प्रारम्भ - 2019 तक आंकडे जारी किये ।

- 20 वीं पशु गणना के अनुसार कुल पशु सम्पदा = 5.68 करोड़ ।
- वर्ष 2012 की तुलना में 2019 में राज्य की पशु सम्पदा में 9.31 लाख (1.61% ) की कमी हुई।
- राजस्थान राज्य में पशुघनत्व 166 / km² है।

- **कुल पशु सम्पदा**

| **सर्वाधिक** | **न्यूनतम** |
|---|---|
| 1st - बाड़मेर | 1st - धौलपुर |
| 2nd जोधपुर | 2nd - कोटा |
| 3rd जयपुर | 3rd - सवाई माधोपुर |
| 4th उदयपुर | 4th - बारां |

**पशु घनत्व**

| **सर्वाधिक** | **न्यूनतम** |
|---|---|
| 1st - डूंगरपुर - 453 | 1st - जैसलमेर - 62 |
| 2nd - बांसवाड़ा - 386 | 2nd - बीकानेर - 90 |

**राजस्थान में सर्वाधिक पशु**

1st - बकरी - 36.70%

2nd - गाय - 24.50 %

3rd - भैंस - 24.11%

4th - भेड़ - 14 %

INFUSION NOTES
WHEN ONLY THE BEST WILL DO

**20 वीं जनगणना में सर्वाधिक बढ़ोत्तरी**

| **संख्या** | **प्रतिशत %** |
|---|---|
| 1st भैंस | 1st - भैंस- 5.53% |
| 2nd गाय | 2nd - गाय - 4. 60% |

**20 वीं पशु गणना में सर्वाधिक कमी**

| **संख्या** | **प्रतिशत %** |
|---|---|
| 1st - भेड़ | 1st - गधे - 71.31% |
| 2nd - बकरी | 2nd - खच्चर - 60.33% |
| 3rd - ऊँट | 4th - ऊँट - 34. 69% |

- राजस्थान में पाई जाने वाली सर्वाधिक पशु सम्पदा ऊँट, गधा, बकरी
- ऊन, माँस में राजस्थान का स्थान प्रथम है।
- कुल पशु सम्पदा में (10.60% ) राजस्थान का दूसरा स्थान है।
- दुग्ध उत्पादन - 12.73% (Now - 13.32%)

- **प्रमुख पशुओं की नस्लें -**

- पशुओं की नस्ल के आधार पर गणना - 2007
- 18 वीं पशुगणना

1. **बकरी की नस्लें :-** अलवरी, जमनापरी, बरबरी, सिरोही, मारवाड़ी, शेखावाटी, लोही, परबतसरी

**2019 आंकड़े**

| **सर्वाधिक** | **न्यूनतम** |
|---|---|
| 1st - बाड़मेर | 1st - धौलपुर |
| 2nd - जोधपुर | 2nd - कोटा |
| 3rd - उदयपुर | 3rd - भरतपुर |
| 4th - नागौर | 4th - हनुमानगढ़ |

- वरुण/बरुण गाँव (नागौर) की बकरी की नस्ल सर्वश्रेष्ठ मानी जाती है।

2. **भेड़ की नस्लें :-** मारवाड़ी, मालीपुरी, बागड़ी, मगरा, सोनाड़ी/चनोथर , नाली, चोकला, खेरी, पूंगल, जैसलमेरी

- नाली नस्ल हनुमानगढ़, श्रीगंगानगर, चूरू के घग्घर बेसिन के पास पाई जाती है । इस नस्ल की भेड़ अधिक ऊन उत्पादन के लिए प्रसिद्ध है।
- चोकला / छापर (भेड़):- भारतीय मेरिनो के नाम से जानी जाती है क्योंकि यह भारत कि सर्वश्रेष्ठ नस्ल है ।

| **सर्वाधिक** | **न्यूनतम** |
|---|---|
| 1st - बाड़मेर | 1st - बांसवाड़ा |
| 2nd - जैसलमेर | 2nd - झालावाड़ |
| 3rd - पाली | 3rd - बारां |
| 4th जोधपुर | 4th - धौलपुर |

3. **गाय कि नस्लें:-** मेवाती, हरियाणवी, कांकरेज, सांचोरी, राठी, गिर, मालवी, नागोरी, थारपारकर ।

- राठी गाय की नस्ल को कामधेनु भी कहा जाता है ।
- थारपारकर अंतरराष्ट्रीय सीमा पर सर्वाधिक यह नस्ल पायी जाती है।

| **सर्वाधिक** | **न्यूनतम** |
|---|---|
| 1st बीकानेर | 1st धौलपुर |
| 2nd जोधपुर | 2nd करौली |
| 3rd बाड़मेर | 3rd सवाई माधोपुर |
| 4th उदयपुर | 4th दौसा |

4. **ऊँट की नस्ल :-** गोमठ, नाचना, बीकानेरी, जैसलमेरी, बीकानेरी ऊँट, अलवरी , सिंधी ऊँट , कच्छी ऊँट आदि राज्य में सर्वाधिक ऊँट जैसलमेर, बीकानेर, बाड़मेर में है तो न्यूनतम ऊँट प्रतापगढ़ में है।

- सबसे अच्छी नस्ल जैसलमेरी ऊँट की है ।

**RAS MAINS गत वर्ष प्रश्न**

Q1. उन फसलों के नाम बताइये जिनके उत्पादन में राजस्थान का भारत में प्रथम स्थान है ?

Q2. राजस्थान में डेयरी विकास हेतु सरकार की योजना पर लघु लेख लिखिए ?

Q3. गाय व भेड़ की 4+4 नस्लों के नाम लिखिए ?

Q4. राज्य में कृषि का उत्पादन मानसून के पर्याप्त समयावधि में उचित व समान वितरण पर निर्भर है व्याख्या कीजिए ?

Q5. राजस्थान में कृषि उत्पादकता की स्थिति तथा इस संबंध में राज्य में चल रही विभिन्न योजनाएँ बताइये ?

INFUSION NOTES WHEN ONLY THE BEST WILL DO

- राजस्थान में 30 september 1999 को लागू हुआ।
- राजस्थान के जिले : (जिनमें PESA Act लागू हैं)

1. बांसवाड़ा 2. डूंगरपुर 3. प्रतापगढ़
4. चित्तौड़गढ़ 5. उदयपुर 6. राजसमंद
7. पाली 8. सिरोही

- **अप्रभावी निष्पादन के कारण -**
- नौकरशाही द्वारा अत्यधिक नियंत्रण।
- वित्त की कमी।
- सरकारी अनुदान पर अत्यधिक निर्भरता।
- वित्तीय अधिकारों के प्रयोग की अनिच्छा।
- ग्राम सभा की कमजोर स्थिति।
- समानांतर निकायों का निर्माण
- कमजोर संरचना।

- **उपाय**
- अधिक से अधिक विषयों को पंचायतों को सौंप दिया जाना चाहिए।
- कार्य क्षेत्र को तीनों स्तरों के बीच स्पष्ट रूप से विभाजित किया जाना चाहिए ।
- संस्थानों को अपने स्तर पर कुछ कर लगाने का अधिकार होना चाहिए।
- महिला प्रतिनिधि को उनके अधिकारों के बारे में जागरूक किया जाना चाहिए।
- प्रतिनिधियों के लिए प्रशिक्षण का आयोजन।

**अन्य महत्वपूर्ण तथ्य :-**
- सर्वप्रथम ग्राम पंचायत को संवैधानिक दर्जा बीकानेर (1928)
- जिला आयोजन समिति का प्रावधान - अनुच्छेद 243 Z (D)
- राजस्थान पंचायती राज अधिनियम 1994 की धारा 121 मे भी इस समिति का प्रावधान है।
- इसकी अध्यक्षता जिला प्रमुख द्वारा की जाती है।
- इसके सदस्य - 25 (20 स्थानीय निकाय + 3 पदेन - कलेक्टर, सीईओ, ऐसीईओ + 2 मनोनीत राज्य सरकार द्वारा )
- हरलाल सिंह खर्रा समिति की सिफारिश पर जिला प्रमुख को DRDA का अध्यक्ष बनाया गया । इस समिति का गठन 1990 में किया गया ।
- प्रथम जिला प्रमुख - चौधरी लिखमाराम
- शैक्षणिक योग्यता संबंधित प्रावधान 2014 में प्रारंभ व 2019 में समाप्त।

- **राज्य वित्त आयोग**
- 6th वित्त आयोग - राजस्थान राज्य
- राजस्थान द्वारा प्रस्तुत अंतिम रिपोर्ट (2020 - 21 एवं 2021 - 22 के लिए ) के अंतर्गत की गई सिफारिशों पर राज्य सरकार द्वारा की गई कार्यवाही विवरण (ATR) के अनुसार पंचायती राज संस्थाओं को देय कुल अनुदान राशि में से 55% राशि मूलभूत एवं विकास कार्यों के लिए 40 % राशि राष्ट्रीय / राज्य प्राथमिकता की योजनाओं / गतिविधियों के क्रियान्वयन जिनमें, Covid - 19 की रोकथाम से संबंधित गतिविधियाँ भी शामिल है तथा 5% राशि पंचायती राज संस्थाओं के लिए चिन्हित गतिविधियों में प्रदर्शन के बदले प्रोत्साहन अनुदान के रूप में उपलब्ध करायी जावेगी।
- राशि का वितरण जिलेवार निर्धारित भारांकन के आधार पर राज्य की जिला परिषदों को 5% पंचायत समितियों को 20% एवं ग्राम पंचायतों को 75% दिए जाने की संस्तुति की गई है।

- **योजना के उद्देश्य :-**
- इसके अंतर्गत की गई सिफारिशों के सारांश के बिंदु संख्या 30 (x) में की गई संस्तुति के अनुसार षष्ठम राज्य वित्त आयोग अंतर्गत देय राशि का उपयोग किसी भी व्यक्ति, पदधारी या जन प्रतिनिधियों की वैयक्तिक आवश्यकताओं अपेक्षाओं पर राज्य सरकार द्वारा विनिर्दिष्ट से अधिकृत किये बिना खर्च नहीं की जाएगी ।
- आयोग की सिफारिशों के बिंदु संख्या 27 के अनुसार 6th राज्य वित्त आयोग के अंतर्गत देय राशि का उपयोग किसी भी विज्ञापन प्रदर्शन वाहनों का क्रय, कर्मचारियों के वेतन और भत्तों पर खर्च नहीं किया जाएगा।
- 6th वित्त आयोग राजस्थान द्वारा प्रस्तुत अंतरिम रिपोर्ट के अंतर्गत की गई सिफारिशों के सारांश में बिंदु संख्या 30 (XI) में की गई संस्तुति के अनुसार अंतरिम प्रतिवेदन में की गई सिफारिशें आयोग के अंतिम प्रतिवेदन के प्रभावी होने तक प्रवृत्त रहेगी।

**RAS MAINS गत वर्ष प्रश्न –**
1. पंचायती राज दिवस कब मनाते हैं ?
2. राजस्थान में पंचायती राज व्यवस्था के विकास के प्रमुख चरण बताइये?
3. राजस्थान में यंग इंटर्न कार्यक्रम का प्रमुख उद्देश्य क्या है?(RAS - 2018)
4. राजस्थान में पिपलांत्री गाँव हाल में ही खबरों में क्यों था? (RAS - 2013)
5. राजस्थान में मुख्यमंत्री जल स्वावलंबन अभियान के प्रमुख बिंदुओं को लिखिए? (RAS - 2018)
6. राजस्थान की क्षेत्रीय विकास योजनाओं के बारे में बताइये? (RAS - 2018)
7. MPLAD को समझाइये?
8. स्वच्छ भारत की व्याख्या कीजिये?

### ❖ बजट वर्ष 2023-24 के प्रमुख बिन्दु

**राजकोषीय संकेतक**

- वर्ष 2023-24 के बजट अनुमानों में 2 लाख 33 हजार 988 करोड़ 1 लाख रुपये की राजस्व प्राप्तियां
- वर्ष 2023-24 के बजट अनुमानों में 2 लाख 58 हजार 883 करोड़ 68 लाख रुपये का राजस्व व्यय
- वर्ष 2023-24 के बजट अनुमानों में राजस्व घाटा 24 हजार 895 करोड़ 67 लाख रुपये
- वर्ष 2023-24 का राजकोषीय घाटा 62 हजार 771 करोड़ 92 लाख जो GSDP का 3.98 प्रतिशत है।

**19 हजार करोड़ रुपये से अधिक का 'महंगाई राहत पैकेज'-**

- लगभग **एक करोड़ NFSA** परिवारों को निशुल्क राशन के साथ **प्रतिमाह मुख्यमंत्री निःशुल्क अन्नपूर्णा Food Packet,** 3 हजार करोड़ रुपये का व्यय
- लगभग **76 लाख परिवारों** को LPG गैस **Cylinder 500** रुपये में उपलब्ध, एक हजार **500 करोड़ रुपये** का व्यय
- **मुख्यमंत्री निःशुल्क बिजली योजना** में **100 यूनिट प्रतिमाह** तक बिजली का उपभोग करने वाले उपभोक्ताओं को **निःशुल्क बिजली** ।

**युवा विकास एवं कल्याण :**

- नवीन **युवा नीति, 500 करोड़ रुपये** का **'युवा विकास एवं कल्याण कोष'**
- पेपर लीक जैसी घटनाओं की रोकथाम के लिए **Special Task Force (STF)** का गठन
- **'मुख्यमंत्री अनुप्रति कोचिंग योजना'** के अन्तर्गत **30 हजार विद्यार्थियों** को लाभ
- जिला मुख्यालयों पर प्रतियोगिता परीक्षाओं की तैयारी के लिए **'विवेकानन्द यूथ हॉस्टल**
- **मुख्यमंत्री युवा उद्यम प्रोत्साहन योजना** में **10 एवं 15 प्रतिशत margin money,** 100 करोड़ रुपये का व्यय
- अल्प आय वर्ग को स्वरोजगार के लिए **'विश्वकर्मा कामगार कल्याण योजना', एक लाख युवा** लाभान्वित
- Startups व उद्योगों के लिए 250 करोड़ रुपये का Rajasthan Venture Capital Fund
- जोधपुर, कोटा एवं उदयपुर में **Planetariums** का निर्माण
- **Bio Technology Policy - 2023,** जयपुर में **APJ Abdul Kalam Institute of Bio Technology** की स्थापना,
- जयपुर में **Rajiv Gandhi Aviation University,** कोटा संभाग में **Mining University**
- जयपुर में **Faculty Development Academy**
- **कालीबाई भील तथा देवनारायण योजनाओं** में बालिकाओं को **20 हजार स्कूटियों की संख्या को बढ़ाकर 30 हजार** किया जाएगा ।
- छात्राओं के साथ ही छात्रों को भी RTE के तहत **कक्षा I से XII** तक **निःशुल्क** शिक्षा
- दसवीं कक्षा **के 10 हजार विद्यार्थियों** हेतु Rajasthan Talent Search Exam (RTSE) Scholarship
- शहरी व ग्रामीण क्षेत्रों के लिए **राजीव गांधी ग्रामीण व शहरी ओलम्पिक खेलों** का आयोजन
- **27 नये खेल स्टेडियम, भरतपुर** में **स्पोर्ट्स कॉम्पलेक्स,**
- **कोलिडा - सीकर व बांसवाड़ा** में **फुटबॉल, बीकानेर में साइकिलिंग, भीलवाड़ा** में कुश्ती, **राजगढ़ - चूरू** में एथलेटिक्स तथा **बाड़मेर व सीकर** में **बास्केटबॉल अकादमी**
- **Rajiv Gandhi National Youth Exchange Programme** के तहत 10 हजार युवाओं को exposure visit, जिला एवं राज्य स्तरीय **युवा महोत्सव** का आयोजन

**चिकित्सा एवं स्वास्थ्य :**

- **मुख्यमंत्री चिरंजीवी दुर्घटना बीमा योजना** में परिवार की दुर्घटना बीमा राशि 5 लाख से 10 लाख रुपये कर दिया गया ।
- जयपुर, जोधपुर एवं कोटा में **साइकोलॉजिकल काउंसलिंग सेंटर्स**
- **प्रतापगढ़, जालोर एवं राजसमंद** में सरकारी मेडिकल कॉलेज, **एक हजार करोड़ रुपये** की लागत
- जोधपुर में **Marwar Medical University,** 500 करोड़ रुपये की लागत
- आरएनटी मेडिकल कॉलेज, **उदयपुर में Centre of Excellence for Sickle Cell Disease** एवं मातृ विज्ञान संस्थान, **कोटा** में **Neuro Science Centre**
- चाकसू - जयपुर **Centre of Excellence in Panchkarma** खोला जायेगा ।

सड़क सुरक्षा :

जिला स्तर पर **Road Safety Task Force,** Trauma Triage Protocol की प्रभावी अनुपालना

**सामाजिक सुरक्षा :**

- **Mahatma Gandhi Minimum Guaranteed Income योजना-**
- MNREGS एवं इंदिरा गांधी शहरी रोजगार गारंटी योजना में **125 दिवस प्रतिवर्ष** की रोजगार गारंटी,
- सामाजिक सुरक्षा पेंशनरों को **न्यूनतम एक हजार रुपये प्रतिमाह पेंशन,** हर वर्ष **15 प्रतिशत** स्वतः वृद्धि
- **Gig Workers Welfare Board** की स्थापना, **200 करोड़ रुपये** का **Gig Workers Welfare and Development Fund**
- **'मुख्यमंत्री चिरंजीवी श्रमिक संबल योजना'** में Hospitalised श्रमिकों को **7 दिवस तक 200 रुपये प्रतिदिन** सहायता
- 'इंदिरा रसोई योजना' का **ग्रामीण कस्बों** में भी विस्तार, संख्या बढ़ाकर **दो हजार,** 700 करोड़ रुपये वार्षिक व्यय
- **'वाल्मीकि कोष'** की राशि को बढ़ाकर 100 करोड़ रुपये
- जोधपुर में **महात्मा गांधी दिव्यांग विश्वविद्यालय** कोटा, भरतपुर एवं उदयपुर में विशेष योग्यजन महाविद्यालय

INFUSION NOTES
WHEN ONLY THE BEST WILL DO

**प्रिय दोस्तों, अब तक हमारे नोट्स में से विभिन्न परीक्षाओं में आये हुए प्रश्नों के परिणाम देखने के लिए क्लिक करें - (Proof Video Link)**

RAS PRE. 2021 - https://shorturl.at/qBJ18 (74 प्रश्न , 150 में से)

RAS Pre 2023 - https://shorturl.at/tGHRT (96 प्रश्न , 150 में से)

Rajasthan CET Gradu. Level - https://youtu.be/gPqDNlc6UR0

Rajasthan CET 12th Level - https://youtu.be/oCa-CoTFu4A

RPSC EO / RO - https://youtu.be/b9PKjl4nSxE

VDO PRE. - https://www.youtube.com/watch?v=gXdAk856W18&t=202s

Patwari - https://www.youtube.com/watch?v=X6mKGdtXyu4&t=2s

PTI 3rd grade - https://www.youtube.com/watch?v=iA_MemKKgEk&t=5s

SSC GD - 2021 - https://youtu.be/2gzzfJyt6vI

| EXAM (परीक्षा) | DATE | हमारे नोट्स में से आये हुए प्रश्नों की संख्या |
|---|---|---|
| RAS PRE. 2021 | 27 अक्तूबर | 74 प्रश्न आये |
| RAS Mains 2021 | October 2021 | 52% प्रश्न आये |
| RAS Pre. 2023 | 01 अक्तूबर 2023 | 96 प्रश्न (150 मेंसे) |
| SSC GD 2021 | 16 नवम्बर | 68 (100 में से) |

whatsapp - https://wa.link/uwc5lp 1 web.- https://bit.ly/3X6MGue

INFUSION NOTES WHEN ONLY THE BEST WILL DO
FREE SAMPLE

| | | |
|---|---|---|
| SSC GD 2021 | 08 दिसम्बर | 67 (100 में से) |
| RPSC EO/RO | 14 मई (1st Shift) | 95 (120 में से) |
| राजस्थान S.I. 2021 | 14 सितम्बर | 119 (200 में से) |
| राजस्थान S.I. 2021 | 15 सितम्बर | 126 (200 में से) |
| RAJASTHAN PATWARI 2021 | 23 अक्तूबर (1st शिफ्ट) | 79 (150 में से) |
| RAJASTHAN PATWARI 2021 | 23 अक्तूबर (2nd शिफ्ट) | 103 (150 में से) |
| RAJASTHAN PATWARI 2021 | 24 अक्तूबर (2nd शिफ्ट) | 91 (150 में से) |
| RAJASTHAN VDO 2021 | 27 दिसंबर (1st शिफ्ट) | 59 (100 में से) |
| RAJASTHAN VDO 2021 | 27 दिसंबर (2nd शिफ्ट) | 61 (100 में से) |
| RAJASTHAN VDO 2021 | 28 दिसंबर (2nd शिफ्ट) | 57 (100 में से) |
| U.P. SI 2021 | 14 नवम्बर 2021 1st शिफ्ट | 91 (160 में से) |
| U.P. SI 2021 | 21नवम्बर2021 (1st शिफ्ट) | 89 (160 में से) |
| Raj. CET Graduation level | 07 January 2023 (1st शिफ्ट) | 96 (150 में से ) |
| Raj. CET 12th level | 04 February 2023 (1st शिफ्ट) | 98 (150 में से ) |

**& Many More Exams like UPSC, SSC, Bank Etc.**

INFUSION NOTES WHEN ONLY THE BEST WILL DO FREE SAMPLE

# Our Selected Students

## Approx. 137+ students selected in different exams. Some of them are given below -

| Photo | Name | Exam | Roll no. | City |
|---|---|---|---|---|
| | **Mohan Sharma S/O Kallu Ram** | Railway Group - d | 114195120370022 | PratapNagar Jaipur |
| | **Mahaveer singh** | Reet Level- 1 | 1233893 | Sardarpura Jodhpur |
| 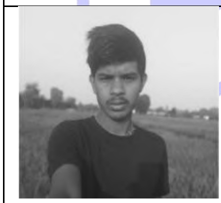 | **Sonu Kumar Prajapati S/O Hammer shing prajapati** | SSC CHSL tier-1 | 2006018079 | Teh.- Biramganj, Dis.- Raisen, MP |
| N.A | **Mahender Singh** | EO RO (81 Marks) | N.A. | teh nohar , dist Hanumangarh |
| | **Lal singh** | EO RO (88 Marks) | 13373780 | Hanumangarh |
| N.A | **Mangilal Siyag** | SSC MTS | N.A. | ramsar, bikaner |

FREE SAMPLE
INFUSION NOTES
WHEN ONLY THE BEST WILL DO

| | | | | |
|---|---|---|---|---|
| | **MONU S/O KAMTA PRASAD** | SSC MTS | 3009078841 | kaushambi (UP) |
| | **Mukesh ji** | RAS Pre | 1562775 | newai tonk |
| | **Govind Singh S/O Sajjan Singh** | RAS | 1698443 | UDAIPUR |
| | **Govinda Jangir** | RAS | 1231450 | Hanumangarh |
| N.A | **Rohit sharma s/o shree Radhe Shyam sharma** | RAS | N.A. | Churu |
| | **DEEPAK SINGH** | RAS | N.A. | Sirsi Road , Panchyawala |
| N.A | **LUCKY SALIWAL s/o GOPALLAL SALIWAL** | RAS | N.A. | AKLERA , JHALAWAR |
| N.A | **Ramchandra Pediwal** | RAS | N.A. | diegana , Nagaur |

FREE SAMPLE
INFUSION NOTES WHEN ONLY THE BEST WILL DO

| | | | | |
|---|---|---|---|---|
| | **Monika jangir** | RAS | N.A. | jhunjhunu |
| | **Mahaveer** | RAS | 1616428 | village-gudaram singh, teshil-sojat |
| N.A | **OM PARKSH** | RAS | N.A. | Teshil-mundwa Dis- Nagaur |
| N.A | **Sikha Yadav** | High court LDC | N.A. | Dis- Bundi |
| 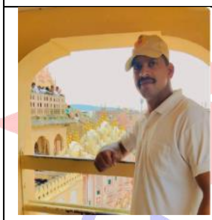 | **Bhanu Pratap Patel s/o bansi lal patel** | Rac batalian | 729141135 | Dis.-Bhilwara |
| N.A | **mukesh kumar bairwa s/o ram avtar** | 3rd grade reet level 1 | 1266657 | JHUNJHUNU |
| N.A | **Rinku** | EO/RO (105 Marks) | N.A. | District: Baran |
| N.A. | **Rupnarayan Gurjar** | EO/RO (103 Marks) | N.A. | sojat road pali |
| | **Govind** | SSB | 4612039613 | jhalawad |

FREE SAMPLE
INFUSION NOTES
WHEN ONLY THE BEST WILL DO

| | | | | |
|---|---|---|---|---|
| | **Jagdish Jogi** | EO/RO (84 Marks) | N.A. | tehsil bhinmal, jhalore. |
| | **Vidhya dadhich** | RAS Pre. | 1158256 | kota |

*And many others……*

**नोट्स खरीदने के लिए इन लिंक पर क्लिक करें**

**Whatsapp करें – [https://wa.link/uwc5lp](https://wa.link/uwc5lp)**

**Online order करें – [https://bit.ly/3X6MGue](https://bit.ly/3X6MGue)**

**Call करें - 9887809083**

FREE SAMPLE